डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः इस प्लेटफॉर्म पर जल्द रिलीज हो रही है आरआरआर

वर्ष -08 अंक -64 | प्रयागराज, शुक्रवार 13 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नर्स की भूमिका देवदूत से कम नहीं दें उचित सम्मान

नई दिल्ली। अस्पतालों में दिनरात मरीजों और अन्य जरूरतमंदों की टहल में कोई निरंतर व्यस्त पाया जाता है, तो वह नर्स है। बीमारी या अन्य आपदा से जूझते उन मरीजों की तकलीफ की साक्षी बनना एएनएम, मिडवाइफ सहित देश की 30 लाख नर्सों की रोज की नियति है। कोविद-19 के विश्वव्यापी प्रकोप से बचाव कार्य में विश्वभर की नर्सों ने जो सराहनीय भूमिका निभाई, उसके लिए मानवजाति उनकी ऋणी है। मार्टिन किंग लूथर ने कहा था, जीवन का अहम प्रशन यह है कि आप दूसरों के लिए क्या कर रहे हैं इस पैमाने पर नर्स की भूमिका देवदूत से कम नहीं। डाक्टरों और धर्मगुरुओं की श्रेणी में आने वाली प्रशिक्षित नर्स मानवजाति के लिए सबसे बड़ा वरदान है। आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल को श्रद्धांजलि स्वरूप उनकी जयंती 12 मई के दिन को

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्हें लेडी विद लैंप की संज्ञा दी गई है। इस दिन के मुख्य समारोह अंतरराष्ट्रीय नर्स परिषद के तत्वाधान में संपन्न होते हैं। इस दिन देश में राष्ट्रपति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कुछ नर्सों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान करते हैं। इस वर्ष नर्स दिवस की थीम है, 'नर्सिंग क्षेत्र में निवेश तथा वैश्विक स्वास्थ्य के लिए उनके अधिकारों का सम्मान।' आशय है कि नर्सों की भारी किल्लत के अनुरूप व्यवस्थाएं जुटाई जाएं।देश में नर्सों की भारी कमी चिंता का विषय है। राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, देश में संप्रति एएनम, मिडवाइफ सहित पंजीकृत नर्सों की संख्या 30 लाख है। 125 करोड़ की आबादी पर नर्स-मरीज अनुपात 1:658 बैठता है, जबकि डब्लूयूएचओ मापदंड के अनुरूप इसे 1:333 होना चाहिए। डब्लूयूएचओ मानता है कि 2024 तक भारत में 43 लाख अतिरिक्त नर्सें होनी चाहिए। देश में नर्सों की कमी का प्रमुख कारण नर्सों का अपेक्षाकृत कम वेतन और जर्जर कार्यदशा हैं, विशेषकर निजी क्षेत्र में।

मोदी के साथ 11 साल पहले की वो मुलाकात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सुनाया पूरा किस्सा

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पीएम नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति की जमकर तारीफ की है। जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी भारत और चीन के बीच आर्थिक असंतुलन को लेकर चिंतित हैं। जयशंकर ने सुरक्षा पर केंद्रित विदेश नीति बनाने के लिए पीएम मोदी की सराहना की। जयशंकर ने गुरुवार को कहा, 'पीएम मोदी भारत और चीन के बीच आर्थिक असंतुलन को लेकर बेहद चिंतित हैं। पीएम मोदी ने वास्तव में एक ऐसी विदेश नीति का नेतृत्व किया है जो अधिक सुरक्षा-केंद्रित, अधिक विकास-केंद्रित है और साथ ही विदेश नीति में जन-केंद्रित नीति भी बना रही है।' बता दें कि जयशंकर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की किताब 'मोदी20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी' के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। जयशंकर ने पीएम मोदी के साथ 11 साल पहले हुई मुलाकात को भी याद किया। नवंबर 2011 में पीएम मोदी गुजरात के

मुख्यमंत्री थे और जयशंकर चीन में भारत के राजदूत। उन्होंने कहा, 'हम अक्सर दूतावास में मुख्यमंत्रियों की मेजबानी किया करते थे, लेकिन एक बार कुछ अलग हुआ। क्योंकि मोदी आधी रात के बाद आए थे। वह सुबह 7 बजे अपनी पहली ब्रीफिंग चाहते थे। मोदी आधे घंटे के लंच ब्रेक के साथ 12 घंटे तक काम करते रहे। चार दिनों में मोदी ने तीन शहरों की यात्राएं की। जयशंकर ने ये भी कहा कि पीएम मोदी के आठ साल के कार्यकाल में आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक स्तर पर उठाया गया है। आठ साल की मोदी सरकार आतंकवाद के मुद्दे को लेकर निष्पक्ष तरीके से वैश्विक बहस के केंद्र में लेकर आई। उन्होंने सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है, क्योंकि प्रधानमंत्री जानते हैं कि हमारी सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना जरूरी है। जयशंकर ने आगे कहा, 'चाहे यह उरी हो या बालाकोट, डोकलाम हो या लद्दाख, लेकिन आप देख सकते हैं कि यह वो देश नहीं है कठिन सुरक्षा चुनौतियों से मुंह मोड़ता हो। मुझे मोदी 20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' में योगदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पीएम की विदेश नीति में अवधारणाओं, आकांक्षाओं, दृष्टिकोण और रणनीतियों के बारे में लिखा।'

उत्कर्ष समारोह में बोले पीएम मोदी, मैं राजनीति नहीं देशवासियों की सेवा करने आया हूं

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुजरात के भरूच में आयोजित 'उत्कर्ष समारोह' (ळ्र्रूब्ए्र्रैस्दिए) के लाभाथिर्यों से बातचीत की। पीएम मोदी कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इसके बाद पीएमम ने लाभाथिर्यों से बातचीत भी की। बता दें कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। पीएम ने कहा, 'ये उत्कर्ष समारोह इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार ईमानदारी से, एक संकल्प लेकर लाभार्थी तक पहुंचती है, तो कितने सार्थक परिणाम मिलते हैं। मैं भरूच जिला प्रशासन को, गुजरात सरकार को सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी 4 योजनाओं के 100 फीसदी पूरा होने के लिए बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि अक्सर जानकारी के अभाव में अनेक लोग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। कभी-कभी योजनाएं कागजों पर रह जाती हैं, लेकिन जब इरादा साफ हो, नीति साफ हो, नेकी से काम करने का इरादा हो, सबका साथ-सबका विकास की भावना हो, तो इससे नतीजे भी मिलते हैं। पीएम ने कहा कि दिल्ली से देश की सेवा करते हुए मुझे 8 साल पूरे हो रहे हैं। ये 8 वर्ष सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे। आज जो कुछ भी मैं कर पा रहा हूं, वो मैंने आपके बीच ही सीखा है। 2014 में जब आपने हमें सेवा का मौका दिया था तो

देश की करीब-करीब आधी आबादी शौचालय की सुविधा से, टीकाकरण की सुविधा से, बिजली कनेक्शन की सुविधा से, बैंक अकाउंट की सुविधा से वंचित थी। सभी के प्रयासों से अनेक योजनाओं को शत-प्रतिशत सेचुरेशन के करीब ला पाए हैं। देश ने संकल्प लिया है शत प्रतिशत लाभाथिर्यों तक पहुंचने का। जब शत-प्रतिशत पहुंचते हैं, तब सबसे पहला मनोवैज्ञानिक परिवर्तन आता है, वो बहुत महत्वपूर्ण है। उसमें देश का नागरिक याचक की अवस्था से बाहर निकल जाता है। मैंने पहले भी कहा कि ऐसे काम कठिन होते हैं, राजनेता भी उन पर हाथ लगाने से डरते हैं, लेकिन मैं राजनीति करने के लिए नहीं, देशवासियों की सेवा करने के लिए आया हूं। देश ने संकल्प लिया है, शत-प्रतिशत लाभाथिर्यों तक पहुंचने का। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सामाजिक सुरक्षा, जन कल्याण और गरीब की गरिमा के लिए है। गरीब की गरिमा के लिए संकल्प और गरीब की गरिमा के संस्कार, यही तो हमें प्रेरित करते हैं।

तमिलनाडु के स्कूलों से लेकर राजनीति तक में किस तरह हावी है जातिवाद का विष

नई दिल्ली। शिक्षा जागृत करती है, व्यावहारिक चेतना जगाती है और सामाजिक दायित्वों की पूर्ति को प्रेरित करती है, लेकिन यदि शैक्षिक संस्थान जातिवाद का मैदान बन जाएं तो आप क्या कहेंगे। शिक्षा और संस्कृति के लिए ख्यात तमिलनाडु में बीते कुछ वर्ष से स्कूलों में बढ़ रहा जातिवाद एक बड़े खतरे की घंटी है। राजनीति में जातिवाद कोई नई बात नहीं है, लेकिन पढ़ने-लिखने वाले बच्चों के मन में जाति का जहर घोलना बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है। स्कूल अध्ययन-अध्यापन का पवित्र स्थल होते हैं, लेकिन तमिलनाडु में कुछ स्कूलों में जातीय विद्वेष और हिंसा बढ़ रही है। खासकर राज्य के दक्षिणी क्षेत्र से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में यह अधिक देखा जा रहा है। इस माह के आरंभ में ही थिरुनेलवेली के एक स्कूल में जातीय हसा को लेकर एक छात्र की हत्या कर दी गई। हत्यारोपित भी उसी स्कूल के छात्र हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। कुछ समय पहले कुडलोर जिले में कट्टूपलायम के सरकारी स्कूल में छात्र जाति के नाम पर हसा में उलझ गए थे। 2019 के अक्टूबर माह में एक ही सप्ताह में जाति को लेकर तीन घटनाएं हुई थीं। तंजावुर के नरिक्कुरवा क्षेत्र के एक स्कूल में सूर्या नाम के युवक को मुथारैयर समुदाय के लोगों द्वारा इसलिए पीटा गया क्योंकि वह बाइक पर सवार था। इसी प्रकार थेनी जिले में एक युवक को इसलिए पीटा गया क्योंकि वह पैर पर पैर चढ़ाकर बैठा था।ऐसी अन्य घटनाएं भी हैं जिनसे

पता चलता है कि जातिवाद का गहरे पैठ बना चुका जहर कितना खतरनाक हो चुका है। स्कूलों में बढ़ता जातिवाद इसे और हवा दे रहा है।दक्षिणी तमिलनाडु के कई जिलों में इस प्रकार के जातीय वैमनस्य के बीज स्कूलों में बोए गए थे जिनका परिणाम विद्याथिर्यों के मन में उग चुके जाति के जहरीले पौधे हैं।

छात्रा के अपमान पर केरल के राज्यपाल ने मुस्लिम नेता को लगाई फटका कहा इस घटना पर चुप रहना है पाप

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आज एक मुस्लिम लड़की को अपमानित करने को लेकर एक मुस्लिम नेता को कड़ी फटकार लगाई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, मलाप्पुरम जिले के एक मुस्लिम विद्वान नेता द्वारा लड़की को अपमानित करते हुए देखा गया। वीडियो में मुस्लिम नेता कार्यक्रम के आयोजकों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए मंच पर लड़की को आमंत्रित करने के लिए डांटते हुए देखे गए थे। जिसके बाद

राज्यपाल द्वारा इसपर आश्चर्य जताया गया। उन्होंने इस मामले पर किसी भी विभाग और संस्था द्वारा कोई संज्ञान ना लेने पर भी हैरानी जताई। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को आगे न बढ़ने देने का यह एक जीता जागता उदाहरण है। राज्यपाल ने कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि मलप्पुरम में एक युवा लड़की को अवार्ड प्राप्त करने के दौरान मंच पर अपमानित किया गया, क्योंकि वह लड़की मुस्लिम परिवार से है। उन्होंने कहा कि यह एक उदाहरण है कि कैसे कट्टर मौलवी मुस्लिम महिलाओं को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। आरिफ खान ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि अगर इसपर कोई पहले ही संज्ञान ले लेता तो मुझे बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि किसी ने बात नहीं की, कोई संज्ञान नहीं लिया। राज्यपाल ने नाराजगी जताते हुए कहा कि क्या अब हम अपनी बेटियों को धार्मिक नेताओं की इच्छा पर छोड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों का अपमान हो रहा हो तो उसपर चुप रहना पाप की तरह है जो मैं नहीं करूंगा। घटना के सामने आने के बाद केरल महिला आयोग ने भी निंदा की है। आयोग की अध्यक्ष पी सतीदेवी ने कहा कि मुस्लिम नेता की महिला द्वेषपूर्ण टिप्पणी निंदा योग्य है। उन्होंने कहा कि समाज को पीछे ले जाने वाली सोच रखने वाले लोगों को एक बार अपनी अंदर झांकना होगा कि वो क्या कह रहे हैं।

देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, 3 लाख से ज्यादा शेल कंपनियों के बैंक खाते फ्रीज कर अए थे चर्चा में

नई दिल्ली। राजीव कुमार अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। कानून मंत्रालय की ओर से राजीव कुमार की नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। केंद्रीय कानून

मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने नए चुनाव आयुक्कत की नियुक्ति कर दी है। रावीव कुमार देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। वह सुशील चंद्रा की जगह लेने जा रहे हैं। राजीव कुमार अगामी 15 मई को पदभार संभालेंगे। राजीव कुमार बिहार/झारखंड कैडर 1984 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी हैं, जो फरवरी 2020 में भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। राजीव कुमार 1 सितंबर 2020 को चुनाव आयुक्त के रूप में भारत के चुनाव आयोग में शामिल हुए। चुनाव आयोग में कार्यभार संभालने से पहले, राजीव कुमार लोक उद्यम चयन बोर्ड के अध्यक्ष थे। वह अप्रैल 2020 में अध्यक्ष पीईएसबी के रूप में शामिल हुए थे। राजीव कुमार का जन्म 19 फरवरी 1960 को हुआ था। उन्होंने बीएससी, एलएलबी, पीजीडीएम और एमए पब्लिक पॉलिसी की अकादमिक डिग्री हासिल की है। राजीव कुमार बेहद अनुभवी हैं, उनके पास भारत सरकार की 36 वर्षों से अधिक की सेवा दी है। इस दौरान सामाजिक क्षेत्र, पर्यावरण और वन, मानव संसाधन, वित्त और बैंकिंग क्षेत्र में केंद्र और राज्य के विभिन्न मंत्रालयों में काम किया है। राजीव कुमार तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने तीन लाख से ज्यादा शेल कंपनियों पर नकेल कसी थी।

40 स्थानों पर तलाशी के दौरान जब्त किए 3.21 करोड़ रुपये; कई बड़े NGO पर भी कार्रवाइ

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय द्वारा एनजीओ पर कार्रवाई में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एनजीओ, बिचौलियों और संघ के खिलाफ 40 स्थानों पर की गई तलाशी के दौरान 14 लोगों को गिरफ्तार किया और 3.21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने कथित तौर पर विदेशी चंदा (विनियमन) अधिनियम के उल्लंघन में का आरोप लगाया है। मंत्रालय की एक शिकायत पर गृह मंत्रालय के एफसीआरए डिवीजन के सात अधिकारियों और एनआईसी, बिचौलियों और एनजीओ प्रतिनिधियों सहित 36 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसके बाद सीबीआई ने मंगलवार को देश भर में 40 स्थानों पर तलाशी ली। सीबीआई अधिकारी ने बताया 'इस कार्रवाई में दिल्ली, राजस्थान, चेनन्ई, हैदराबाद, मैसूर में 40 स्थानों पर तलाशी ले रही है ताकि गैर सरकारी संगठनों, बिचौलियों और गृह मंत्रालय के एफसीआरए डिवीजन के लोक सेवकों को पकड़ा जा सके जो कथित रूप से एफसीआरए प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे थे

और रिश्वत के लिए एफसीआरए मामलों की अवैध निकासी की सुविधा प्रदान कर रहे थे।' गृह मंत्रालय ने पिछले साल ओमिडयार को निगरानी सूची में रखा था और उसके सभी विदेशी चंदे पर रोक लगा दी गई थी। ओमिडयार नेटवर्क ओमिडयार समूह का एक हिस्सा है। यह मीडिया, डिजिटल समाज, शिक्षा, उभरती हुई तकनीक और कई अन्य क्षेत्रों में निवेश करता है। एफआईआर में आरोपी के रूप में नामित एनजीओ और उनके सहयोगियों की पहचान गंगा ऑर्थोपेडिक रिसर्च एंड एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से वागीश, चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में की गई है; एनजीओ द सोशल प्रोजेक्ट के रॉबिन देवदास, सृजन फाउंडेशन के प्रतिनिधि स्वपन मनन, ऐरीज़ मल्टीपर्पज सोशल सर्विस सोसाइटी के चिनप्पन पिचाई पिल्लई, सेंटर फॉर ट्राइबल एंड रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के रामास्वामी रंगनाथन, सीएलसी (क्रिश्चियन लाइफ सेंटर मंत्रालयों) के अल्फ्रेड मोहंती प्रशासक, एनजीओ हार्वेस्ट इंडिया के प्रतिनिधि कठेरा सुरेश कुमार, लुंगाविरुओल ख्वाबुंग, संगठन के महासचिव रिफॉर्मेड प्रेस्बिटेरियन चर्च नॉर्थ ईस्ट इंडिया, गुवाहाटी स्थित एनजीओ नई रोशनी फाउंडेशन के अध्यक्ष और एनजीओ ओमिडयार के प्रमोटर बिष्णु मौर। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसमें गृह मंत्रालय के अनेक अधिकारियों, एनजीओ के प्रतिनिधियों और बिचौलियों ने इर्ण्ं का उल्लंघन किया है। अधिकारियों ने बताया कि इन्होंने विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए पैसों का लेनदेन किया था। सीबीआई ने इस मामले के सिलसिले में गृह मंत्रालय के अधिकारियों और एनजीओ के प्रतिनिधियों समेत 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई अधिकारीयों ने कहा 'मामले की जांच की जा रही है और जांच में अगर कोई एनजीओ का पता चलता है तो और नाम जोड़े जाएंगे।

माता जागरण में रात भर झूमते रहे लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रगतिशील समाज पार्टी की जिला इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार की रात तिगनौता रीवां रोड, डांडी, नैनी प्रयागराज स्थित प्राचीन मंदिर के सामने माता का भव्य जागरण का आयोजन हुआ। प्रगतिशील समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव समर बहादुर शर्मा ने माता के जागरण का दीप जलाकर विधिवत शुभारम्भ किया। मां की वंदना करते हुए महादेव म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों गायिका महिमा सिंह लखनऊ श्री सुनील पटेल, विकास विश्वकर्मा, दीप सागर एवं वाद्य यन्त्र वादक सागर भट्ट, पीयूष परसना, अमन चौहान आदि ने एक से बढ़कर एक भक्ति संगीत से रात भर लोगों को सराबोर किया। माता जागरण कलाकारों ने माता के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करते हुए बुराई पर अच्छाई की विजय को दर्शाया। भक्तों के जयकारे से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। समस्त कार्यक्रम प्रगतिशील समाज पार्टी के प्रदेश

उपाध्यक्ष अजीत पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रगतिशील समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव समर बहादुर शर्मा ने कहा की आज पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति से दूर होती जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रगतिशील समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत पटेल ने कहा कि अपनी संस्कृति बचाने के लिए आज युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में रचनात्मक आयोजनों से जोड़ना जरूरी है। इस मौके पर आयोजकों ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान ऋषि श्रीवास्तव, राम अधार पटेल, मनोज साहू, जयकरण पटेल, सतेंद्र कुशवाहा, देवकली पटेल, कविता भारतीया, सविता पटेल, लोकसभा प्रभारी सुगन्धराज भारतीया, महेश भारतीया, सभासद प्रत्याशी बब्लू पटेल, अनुज विश्वकर्मा, नन्दलाल साहू, प्रदीप सागर, संतोष पाल, कमलेश यादव वे अलावा तिगनौता ग्रामवासी समेत हजारों कि संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

पीडब्लूयूडी मंत्री जितिन प्रसाद से मिला प्रगतिशील समाज पार्टी का प्रतिनिधि मंडल

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बुधवार 4 मई। प्रगतिशील समाज पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव निष्ठा देव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उत्तर प्रदेश सरकार में पीडब्लूयूडी मंत्री जितिन प्रसाद से आज सुबह चंद्रशेखर आज़ाद सर्किट हाउस में मिलकर बरसात से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त करने की मांग की। इसके अलावा प्रयागराज में कोरावं से सेमरी बाघराय तथा मेजा में बसरहा से लालतारा तक सड़क सुधार एवं चौड़ीकरण कराने की जरूरत से सम्बंधित मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर श्री निष्ठा देव ने कहा कि बारिश के दिनों में सड़कों के गड्ढों में जलजमाव होने एवं बारिश के समय पूरी सड़क पर पानी भर जाने से राहगीरों को गड्ढे दिखायी नहीं देते, लिहाजा एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। कई बार तो जान तक चली जाती है। इस दौरान साथ में समाज सेवी भास्कर पटेल, प्रगतिशील समाज पार्टी मज़दूर संघ के मंडल प्रभारी नवीन विद्यार्थी, अभिषेक पांडेय, विजय बहादुर, अजय मौर्या आदि उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री दानिश आजाद ने सीतापुर जिला अस्पताल का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। सीतापुर में राज्यमंत्री दानिश आजाद ने किया औचक निरीक्षण किया सबसे पहले उन्होंने बाबा भीमराव अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण किया जिला अस्पताल सीतापुर नगर कई एरियों का किया जायजा उनके साथ सीतापुर जिले के जिलाधिकारी अनुज सिंह ,जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव कुमार गुप्ता , नगर पालिका अधिकारी वैभव त्रिपाठी एवं अन्य कई अधिकारी रहे निरीक्षण के दौरान मिली कमियों के लिए राज्य मंत्री ने लगाई जिम्मेदारों की फटकार और तुरंत दुरुस्त करने का लिए आदेश।

इलाहाबाद कम्प्यूटर एसोसिएशन के पुनः अध्यक्ष चुने गए सौरभ गुप्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयाग व्यापार मंडल ने इलाहाबाद कम्प्यूटर एसोसिएशन के चुने हुए पदाधिकारियों को बधाई दी। सिविल लाइंस स्थित एक होटल में बीते रविवार को इलाहाबाद कम्प्यूटर एसोसिएशन का चुनाव हुआ था। इस चुनाव में अध्यक्ष सौरभ गुप्ता , उपाध्यक्ष संकेत अग्रवाल ,सचिव अविनाश कुमार ,कोषाध्यक्ष अनुपम खरे ,उपसचिव नीरज जयसवाल चुने गए प्रयाग व्यापार मंडल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है। बधाई देने वालों में अध्यक्ष विजय अरोरा ,महामंत्री सोहैल अहमद, जिलाध्यक्ष मो0 क़ादिर, अनिता जयसवाल , अरुण केसरवानी ,सुशील खरबंदा, राना चावला,

शिवशंकर सिंह , गुरुचरण अरोरा चननै, अवंतिका टंडन, पल्लवी अरोरा , केशव मोहन गुप्ता, उमेश केसरवानी, शानू यादव , प्रफुल मित्तल , घनश्याम केवलानी ,ललित मोहन गुप्ता,अजय मेहरोत्रा ,सरदार प्रीतम सिंह , सरदार जतिंदर सिंह , महमूद अहमद खान, दिनेश सिंह ,सरदार इंद्रप्रीत सिंह, आशीष अरोरा,अनिमेष अग्रवाल, अनूप केसरवानी , पार्षद अखिलेश सिंह , धनंजय सिंह, अतुल केसरवानी , राजेश गुप्ता , सुरेश गुप्ता, सुरेंद्र यादव , फ़ैयाज़ अहमद , मनीष सचदेव, विकास वर्मा, सरदार दिलजीत सिंह , मो0 मोईन, प्रदीप सचदेव,अनुज अग्रवाल, संदीप जयसवाल,नरेंद्र खेड़ा माँटू,संजय गुप्ता, मो0 अकरम शगुन,रोहित अरोरा , रानु गोटा ,मो0 आमिर , मो0 आरिज, पार्षद साहिल अरोरा,अजय अवस्थि , राजेश गोस्वामी , अशोक अग्रवाल आदि लोग रहे।

एसएसपी अजय कुमार ने देर रात 12 निरीक्षक व एक उनि का किया तबादला

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। एसएसपी अजय कुमार ने देर रात 12 निरीक्षक व एक उनि का किया तबादला एक उनि को किया लाइन हाजिर निरीक्षक अरविंद कुमार गौतम प्रभारी निरीक्षक खुल्दाबाद से प्रभारी निरीक्षक करेली बनाए गए निरीक्षक अनुराग शर्मा प्रभारी निरीक्षक करेली से प्रभारी निरीक्षक थाना खुल्दाबाद बनाए गए।

घपलेबाज ग्राम पंचायत अधिकारी पर जन सूचना न देने का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर की सिन्धौर ग्राम पंचायत आशा पाल जो घपले बाजी के लिए चर्चित है ग्राम पंचायत से संबंधित जन सूचना ग्रामीणों को नहीं दे रही हैं जिससे उनके ऊपर एक बार पुनः घपलेबाजी का सवालिया निशान लग रहा है। इस ग्राम पंचायत के संदीप मिश्र ने 4 जनवरी,2022 को गाँव के विभिन्न कार्यों से संबंधित सूचनाओं को जन सूचना अधिकार के तहत माँगा था लेकिन उन्होंने अभी तक इन सूचनाओं को प्रदान नहीं किया है। संदीप ने आवास,शौचालय,कार्यों के प्रस्ताव का प्रपत्र,नाली,खड़ंजा सहित कुल 17 बिंदुओं पर सूचनाएं प्रदान करने का प्रार्थना पत्र दिया था। 4 महीने बीत जाने के बाद भी ग्राम पंचायत अधिकारी ने सूचनाएं प्रदान नहीं किया।यह वही ग्राम पंचायत अधिकारी हैं जो रामपुर कल्हवारी में भी तैनात हैं और वहाँ इन्होंने जेल में निरुद्ध कैदी को भी मनरेगा की मजदूरी का भुगतान कर दिया था।बाद में फजीहत होने पर उन्होंने स्वीकार भी किया की निरुद्ध कैदी को उसके खाते में इन्होंने मजदूरी भेजी है लेकिन ब्लॉक प्रशासन द्वारा इनके विरुद्ध आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। न ही उच्च अधिकारी इनके विरुद्ध कोई कार्यवाही कर रहे हैं।रामपुर कल्हवारी में इनके विरुद्ध घपलेबाजी के तमाम आरोप लगाए गए हैं। समतलीकरण में धन के गोलमोल करने का आरोप लगाया है तो आवास और शौचालय में भी इनके विरुद्ध आरोप लगाया गया है।सिन्धौर ग्राम पंचायत के संदीप मिश्र का कहना है कि यह ग्राम पंचायत अधिकारी कभी भी गाँव में नहीं आती है।वह पंचायत भवन पर भी कभी नहीं बैठती है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है।साथ ही ग्राम पंचायत में क्या विकास कार्य हुआ यह जानने का लोगों को अधिकार है।किन मदों में किस तरह से व्यय/अपव्यय किया गया ग्रामीणों को यह जानने का अधिकार है। यही कारण है कि संदीप कुमार ने 4 जनवरी को 17 बिंदुओं पर जन सूचना अधिकार के तहत इनसे सूचनाएं प्रदान करने का आग्रह किया था लेकिन आज तक इस ग्राम पंचायत अधिकारी ने सूचनाएं प्रदान नहीं की।ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही की जानी चाहिए।जन प्राप्त करने वाले प्रार्थी का कहना है कि वह शीघ्र ही सूचना आयुक्त के यहाँ इनके खिलाफ वाद प्रस्तुत करेंगे जिससे इनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा सके और लोगों को जानकारी हो सके कि उनके गाँव में कौन-कौन से कार्य करवाए गए है।

अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर आधुनिक समाचार की तरफ से नर्सों का किया गया सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सेवाभाव ,प्रेम और सदभाव का जो स्वरूप आपको नर्सों में देखने को मिलता है , वो शायद ही कहीं मिलता हो। आज अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के मौके पर आधुनिक समाचार की तरफ से विभिन्न अस्पतालों में जाकर नर्सों एवं नर्सिंग स्टाफ को सम्मान पत्र दिया गया। रेडियो एंड ऐप हेड सुधांशु शर्मा एवं जमुनापर ब्यूरो प्रभारी के द्वारा ये सम्मान दिया गया। ओजस अस्पताल , शौर्य नर्सिंग होम, शिवम अक्षयवट मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, अक्षयवट हॉस्पिटल जैसे ही लगभग जिले के सभी अस्पतालों में आधुनिक समाचार पहुंचा एवं सभी नर्स एवं नर्सिंग स्टाफ को सम्मान पत्र से सम्मानित किया। प्रियंका पाल ,नीतू यादव ,पूनम ,जितेंद्र ,पूजा यादव ,प्रतिभा,ममता यादव ,सारि वीसीका राय ,श्रीमती , जूली सिंह , संध्या ,पार्वती नर्स एवं और भी बहुत सी नर्सों एवं नर्शिंग स्टाफ को सम्मानित किया गया। आधुनिक समाचार के संपादक ई. पुनीत अरोरा ने नर्सों की अभूतपूर्व सेवा के लिए उन्हे प्रोत्साहित किया।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

अपर मंडल रेल प्रबंधक ने देवरिया सदर सहित चौरीचौरा सरदार नगर एवं कुसुम्ही स्टेशनों का किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

वाराणसी। 11 मई। वाराणसी परिक्षेत्र के मंडल स्तर पर अधिकाधिक पारम्परिक एवं गैर-पारम्परिक माल लदान को आकर्षित करने के उद्देश्य से बुधवार को अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) श्री राहुल श्रीवास्तव ने मंडलीय अधिकारियों के साथ देवरिया सदर,चौरीचौरा,सरदार नगर एवं

कुसुम्ही स्टेशनों की रेक हैण्डलिंग का व्यापक निरीक्षण किया। इसके साथ ही संरक्षित रेल परिवहन एवं यात्रियों की सुरक्षा हेतु गोरखपुर से मऊ तक विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण कर इस रेल खण्ड की संरक्षा परखी देवरिया सदर,चौरीचौरा, सरदार नगर एवं कुसुम्ही स्टेशनों की रेक हैण्डलिंग एवं व्यापारिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ मंडल इंजीनियर प्रथम श्री ऋषि कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री आशुतोष शुक्ला, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री ए0के0 सुमन समेत मंडल के वरिष्ठ पर्यवेक्षक उपस्थित थे। श्री राहुल श्रीवास्तव सड़क मार्ग से अधिकारियों समेत पूर्वाह्न देवरिया सदर स्टेशन पहुँचे थे। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक ने देवरिया सदर स्टेशन, पार्सल कार्यलय,मालगोदाम एवं रेक हैण्डलिंग का निरीक्षण कर स्थानीय व्यापारियों एवं व्यापार समूहों को अतिरिक्त सुविधाएँ उपलब्ध कराकर माल यातायात को रेल परिवहन सुविधा की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। अपने निरीक्षण के क्रम में उन्होंने चौरीचौरा,सरदार नगर एवं कुसुम्ही स्टेशनों पर व्यापारिक सुख-सुविधाओं एवं रेक हैण्डलिंग पर माल लोडिंग, अनलोडिंग की व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया और रख-रखाव एवं सफाई पर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।उन्होंने स्थानीय व्यापारियों एवं व्यापार समूहों को अतिरिक्त सुविधाएँ उपलब्ध कराकर माल यातायात को रेल परिवहन सुविधा की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। इसके उपरांत अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) गोरखपुर-बनारस इंटरसिटी एक्सप्रेस से गोरखपुर से मऊ तक संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण कर स्थाई,अस्थाई सतर्कता आदेशों के अनुपालन की मानिटरिंग की और संरक्षित रेल परिचालन के संबंध में संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान मीडिया को उपरोक्त विज्ञप्त देते हुए डीआरएम वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने व्यापार समूहों की सुविधाओं हेतु माल यातायात को रेल परिवहन सुविधाऐ सुलभ करने की इस पहल मे सम्मानित व्यापारी व आमजन को सहयोग बनाए रखने का अपील की है।

नवाबगंज थाना अन्तर्गत रामपुर गाँव में ब्राह्मण परिवार के सदस्य की हुई हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नवाबगंज थाना अन्तर्गत रामपुर गाँव में ब्राह्मण परिवार के सदस्य की हुई हत्या पर राष्ट्रीय सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे, सचिव श्री राजेंद्र त्रिपाठी जी एवं ब्राह्मण समाज उत्थान सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर श्याम प्रकाश द्विवेदी जी के साथ जिलाध्यक्ष कौशाम्बी जनपद के श्री राजेंद्र त्रिपाठी जी रज्जन द्विवेदी जी पर्वत लाल मिश्रा जी विजय गौतम जी प्रियव्रत तिवारी जी गंगेश पाण्डेय जी देवेंद्र मिश्रा जी अरविंद त्रिपाठी जी ब्राह्मण स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय प्रभारी एवं अधिवक्ता के साथ जाकर कर सारी जानकारी लिया गया और परिवार की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एसपी से बात किया गया।

मरीज ने फांसी फंदे पर लटकर मौत को गले लगा लिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शकील खान

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र अतंगर्त झलवा क्षेत्र में निजी अस्पताल में भर्ती मरीज ने फांसी

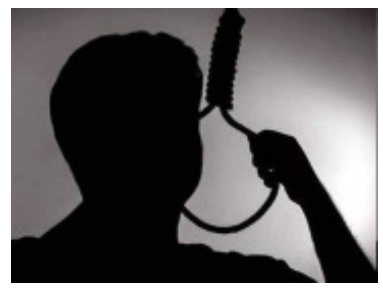

फंदे पर लटकर मौत को गले लगा लिया। कौशांबी निवासी 35 वर्षीय रमेश चंद्र ने बीमारी से परेशान होकर बुधवार को शंभूनाथ अस्पताल में फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मचा रहा। सूचना मिलने पर पहुंची धूमनगंज पुलिस ने छानबीन की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि कौशांबी जिले के कसेन्दा निवासी धनीराम के तीन बेटों में 35 वर्षीय रमेश चंद सबसे छोटा था। उसकी शादी नहीं हुई थी। वह मुंबई में नौकरी करता था। लगभग दो साल पहले फैक्ट्री में काम के दौरान उसके शरीर पर कोई मशीन का पार्ट गिर गया था, जिसके कारण वह ठीक से चल नहीं पाता था। कूल्हे के दर्द से परेशान था। डॉक्टरों ने ऑपरेशन करने की सलाह दी थी। परिजनों ने उसे नौ मई को झलवा स्थित उत्थान शंभू नाथ हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। 12 मई को उसका ऑपरेशन होना था। बताया जा रहा है कि वह बुधवार को बाथरूम में गया और अस्पताल के ट्रेक्शन की डोर से अंदर जाली में फांसी लगाकर जान दे दी।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मुख्यमंत्री से फरियाद,संयुक्त शिक्षा निदेशक पर मनमानी का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। शिक्षा विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने संयुक्त शिक्षा निदेशक पर प्रोनन्ति न करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से प्रोनन्ति किए जाने की फरियाद की है। इन कर्मचारियों का आरोप है संयुक्त शिक्षा निदेशक जानबूझकर इन कर्मचारियों की प्रोनन्ति नहीं कर रहे हैं।प्रयागराज मंडल में लगभग 20 वर्षों से इन पदों पर पदोनन्ति न होने से ये कर्मचारी न केवल क्षुब्ध हैं बल्कि वे आक्रोशित भी हैं।इनका कहना है कि संयुक्त शिक्षा निदेशक ने 24 दिसंबर,2016 को पदोनन्ति हेतु विज्ञप्ति प्रकाशित करवाई। विज्ञप्ति के माध्यम से चतुर्थ श्रेणी में कार्यरत कर्मचारियों के लिए परीक्षा की तिथि भी निर्धारित की गई। 30जनवरी,2019 को समूह घ से समूह ग के पदों पर पदोनन्ति हेतु आवेदन भी माँगा गया। 01मार्च,2019 को राजकीय इंटर कॉलेज प्रयागराज में लिखित परीक्षा भी करा ली गई लेकिन बाद में संयुक्त शिक्षा निदेशक ने जानबूझकर मनमाने ढंग से परीक्षा को निरस्त करवा दिया।संयुक्त शिक्षा निदेशक के इस मनमाने पन से लगभग 20 वर्ष से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदोनन्ति का सपना मन में ही संजोए अपने पद से सेवानिवृत्त भी हो जा रहे है लेकिन उनकी पदोनन्ति नहीं हो पा रही है।इन कर्मचारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुनय विनय करते हुए न्याय दिए जाने की गुहार लगाई है। इन कर्मचारियों का कहना है कि ऐसे अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी उनका अधिकार देते हुए मुख्यमंत्री महोदय उन्हें पदोनन्ति देकर उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करें।कर्मचारियों ने इसकी प्रति राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री, गृह राज्यमंत्री,राज्यपाल, माध्यमिक शिक्षा मंत्री समेत आलाधिकारियों को भी भेजी है।माध्यमिक शिक्षा विभाग कार्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रमेश प्रताप सिंह, कपिल देव तिवारी, संजय पाण्डेय, राकेश पटवा, रामललन, नीरज कुमार, दिनेश कुमार, श्यामशंकर, दिनेश कुमार, राघवेन्द्र कुमार शुक्ल, धीरज कुमार आदि ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर कार्यवाही करने की माँग की है।साथ ही त्वरित निस्तारण की आशा व्यक्त की है।

बलिया मे शिक्षा के नये-नये आयाम से छात्र-छात्राओ को हुनर शिखा रही है ट्रेनर रूपी शिक्षिका अंजली तोमर

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

वाराणसी। जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालयों मे अपनी ट्रेनर रूपी हुनर के लिए विख्यात शिक्षिका अंजली तोमर ने विद्यालय की छात्र-छात्राओं को मेधावी बनाने के उद्देश्य से शिक्षा के नये-नये आयामों से उन्हे शिक्षित कर रही है। जो अभिभावको सहित आमजन मे उनकी लोकप्रियता और बढ़ती जा रही है।ऐसे हुनर मंद शिक्षिका अंजली तोमर को कई बार शासन-प्रशासन ने उन्हे प्रशस्ति-पत्र से नवाजा कर सम्मानित भी कर चुका है। जिले मे आज प्राथमिक विद्यालय अलावलपुर शिक्षा क्षेत्र हनुमान गंज पर कार्यरत सहायक अध्यापिका कुमारी अंजली तोमर ने बच्चों को

निपुण भारत के तहत संचालित गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा देना आरंभ किया सर्व प्रथम बच्चों को अंगूठा के माध्यम से आकृति बनाने के लिए बताया और टेबलेट के माध्यम से इस गतिविधियों को बच्चों को दिखाया इस गतिविधियों से बच्चों में उत्साह का माहौल पैदा हुआ बच्चे बड़ी तन्मयता से इस गतिविधि को सीखें इस गतिविधियों से बच्चे एकाग्र चित्त होकर कलाकृति भी बनाई सभी बच्चों में बेहतर करने का एक प्रतिस्पर्धा दिखाई दी आने वाले दिनों में या गतिविधियां बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगी इनके इस कार्यक्रम से बच्चे प्रसन्न-चित्त होकर बहुत सारे चित्र बनाऐ। ऐसे मे अभिभावक व विद्यालय के छात्र शिक्षिका अंजली तोमर के कार्यशैली से काफी खुश मिजाज है।

पीडित व फरियादियों से अपराधियों जैसा व्यवहार करती है कौंधियारा थाना पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कौंधियारा थाना परिसर में कोई पीडि़त व्यक्ति जब अपनी फरियाद लेकर थाना पर जाता है तो पहुंचते ही मौजूद कर्मचारी पहले उसे अश्लब्दी से नवाज ते हैं फिर उसकी फरियादी एप्लीकेशन देखते हैं मानो वह पीडित व्यक्ति ही किसी की जेब काटकर या कोई अपराध करके थाना पर आ रहा हो हाल यह हो गया है की कोई भी आम आदमी या साधारण व्यक्ति पुलिस के व्यवहार की वजह से थाना मे जाने से कतराता है ऐसे में अब वह अपनी शिकायत किससे करें। बताते चलें कि जहां एक ओर शासन स्तर पर पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करने के लिए अधिकारियों द्वारा पुलिस और जनता में सीधे संवाद की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर कौंधियारा थाना की पुलिस आज भी तानाशाही रवैया पर उतारू है। 11 मई रात करीब 10:00 बजे को जारी बाजार निवासी रामधनी गुप्ता जब अपने पड़ोस के व्यक्ति के साथ अपने लड़के के साथ हुई मारपीट की शिकायत थाना परिसर में देने गया तो वहां मौजूद पुलिसकर्मी अंगद कुमार पहुंचते ही अश्लब्दो से नवाज ने लगे जिस पर पीडित पक्ष के द्वारा एतराज जाहिर करने पर भी उक्त पुलिसकर्मी अपने व्यवहार में बदलाव नहीं लाया। जिसकी शिकायत पीडित पक्ष द्वारा थाना अध्यक्ष कौंधियाराविनोद कुमार सिंह से की गई जिस पर थानाध्यक्ष का कहना है की उक्त सिपाही को समझा दिया जाएगा। कौंधियारा थाना की पुलिस पीडितों से इस तरह से व्यवहार कर रही है की साधारण जनता या आम लोग अपनी शिकायत लेकर थाना परिसर में जाने से डरते हैं कि कि कब उनका थाना परिसर में मान मर्दन हो जाए इसकी कोई गारंटी नहीं है।

प्रॉपर्टी विवाद से परेशान बुजुर्ग ने गोली मार की आत्महत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
विशाल गुप्ता

प्रयागराज। शाहगंज में प्रॉपर्टी विवाद से परेशान होकर 62-वर्षीय बुजुर्ग ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार शाहगंज निवासी स्वर्ण सिंह जग्गी उर्फ. बिट्टू सरदार, 62, खाद भंडारण निगम में सिक्योरिटी इन-चार्ज के पद पर काम कर रहे थे। उनके मकान का मामला काफी सालों से कोर्ट में चल रहा था और अब उसको ख़ाली करने का दवाब बढ़ गया था। इस कारण से वह कई महीनों से मानसिक रूप से परेशान थे। इसी परेशानी के कारण उनको सीने में दर्द की शिकायत होने लगी। कुछ दिन पहले उनको प्रीति अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से वह मंगलवार को डिस्चार्ज हुए थे बुधवार को उन्होंने टॉयलेट में अपने को बंद किया और लाइसेंसी बंदूक से ठुड्डी के नीचे बंदूक की नाल रखकर ट्रिगर दबा दिया। गोली सिर के आर-पार होने से उनकी की मौक़े पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस फ़ोरेंसिक टीम के साथ पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्ट्मॉर्टम के लिए भेज दिया।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस पहुंचे वाराणसी

वाराणसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस बुधवार की रात दस बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पहुंचे। इस दौरान महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह व पिंडरा विधायक डाक्टर अवधेश सिंह के नेतृत्व में भाजपाजनों ने स्वागत किया। पार्टी की ओर से जारी सूचना के अनुसार देवेंद्र फड़नवीस जंगमबाड़ी मठ में आयोजित वीर शैव सम्मेलन में शामिल होंगे।

प्रयागराज, थाना जार्जटाउन एवं एस ओ जी शाखा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक। प्रयागराज अजय कुमार पांडेय द्वारा की गयी निलम्बन की कार्यवाही चौकी प्रभारी टैगोर टाउन दारोग़ा मनीष जायसवाल, बीट आरक्षी राहुल चौहान, बीट आरक्षी अनीश कुमार, एसओजी के मुख्य आरक्षी आलोक मिश्रा को किया गया निलंबित। थाना प्रभारी जार्ज टाउन के विरूद्ध प्रारंभिक जाँच के आदेश।ड्जुआरियों और सट्टेबाज़ों / ऑनलाइन सट्टेबाज़ों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु कई बार निर्देशित किया गया था। परन्तु, प्रभावी कार्यवाही करने में घोर लापरवाही बरती गई, ऐसे आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर यह कार्यवाही की गई है। इसी प्रकार, उपरोक्त लापरवाही के अलावा, कार्यों में स्वेच्छाचारी रवैया अपनाने के कारण एसओजी के मुख्य आरक्षी आलोक मिश्रा को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इन सभी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है । सभी को अवगत कराना है कि 1.) सरकारी कार्यों में जान बूझकर लापरवाही करने वाले, 2.) जनता से ख़राब व्यवहार करने वाले 3.) भ्रष्टाचारी, कदाचारी, अपराधियों, दबंगों, जुआरियों, सट्टेबाज़ों तथा दलालों से साठ-गाँठ रखने वाले पुलिसकर्मियों को किसी भी सूरत में क़तई बख़्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल आएंगे वाराणसी.....

वाराणसी। पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विकास कार्यों की समीक्षा का दौर अब विधानसभा चुनाव के बाद दोबारा

शुरू हो रहा है। इसी कड़ी में विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत को जानने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को वाराणसी पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि मई-जून में पीएम नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आ सकते हैं। इस लिहाज से पीएम की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की जमीनी हकीकत की पड़ताल जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार दो दिवसीय काशी यात्रा पर 13 मई को वाराणसी पहुंच रहे हैं। इस बाबत प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 11 बजे तक वाराणसी आ जाएंगे। इसके बाद वह जंगमबाड़ी मठ में आयोजित वीर शैव सम्मेलन में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इसके बाद कमिशनरी सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान पीएम की प्राथमिकता वाली योजनाओं की पड़ताल पर जोर रहने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि इस बार पीएम के संभावित दौरे को वह अंतिम रूप देंगे।

चक्रवात ने किया पश्चिम का रुख उत्तर भारत का हलक रहेगा सूखा

वाराणसी। पूर्वांचल में मौसम विभाग ने लगातार मौसमी बदलाव का संकेत दिया है। एक दिन पूर्व बूंदाबांदी के बाद अब उमस का पर्याप्त असर पूर्वांचल में हो रहा है। गुरुवार की सुबह आसमान साफ रहा और सुबह सात बजे से ही धूप के असर के बीच लोग पसीना पसीना होते नजर आए। मौसम विज्ञानी मान रहे है कि आने वाले दिनों में आसमान में बादलों की सक्रियता तो हो सकती है लेकिन अब उमस में और भी इजाफा होना तय है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में लोकल हीटिंग का असर होगा और नमी में इजाफा हुआ तो बूंदाबांदी भी हो सकती है। बीते चौबीस घंटों में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य रहा। न्यूनतम तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक रहा। आर्द्रता अधिकतम 66 फीसद और न्यूनतम 55 फीसद दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से जारी सैटेलाइट तस्वीरों में बंगाल की खाड़ी से उठा असानी चक्रवात अब कमजोर होकर उत्तर की जगह पश्चिम की ओर बढ़ चला है। जबकि उत्तर भारत में इसकी वजह से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा और लोग पसीना पसीना भी खूब होंगे।

ताजमहल किसने बनवाया, जाओ पहले पढ़ो कल कहोगे हमें जज के चेम्बर में जाना है, 22 कमरे खोलने पर याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट की फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज । ताजमहल के 22 कमरों को खोलने की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि कल आप आएंगे और कहेंगे कि हमें माननीय जज के चेंबर में जाने की अनुमति चाहिए। इस दौरान जस्टिस डीके उपाध्याय ने कहा की इस विषय में पहले एमए, फिर पीएचडी करें ऐसा करने से कोई रोकता है तो कोर्ट के पास आयें। ताजमहल के 22 कमरों को खोलने की याचिका पर सुनवाई जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की बेंच सुनवाई कर रही है। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप मानते है कि ताजमहल को शाहजहां ने नहीं बनाया है क्या हम यहां कोई फैसला सुनाने आए हैं जैसे कि इसे किसने बनवाया या ताजमहल की उम्र क्या है हाई कोर्ट ने तल्ख

टिप्पणी करते हुए कहा कि आपको जिस टॉपिक के बारे में पता नहीं है, उस पर रिसर्च कीजिए, जाइए एमए कीजिए, पीएचडी कीजिए, अगर आपको कोई संस्थान रिसर्च नहीं करने देता है तो हमारे पास आइए। हाई कोर्ट ने साफ किया कि हम इस याचिका की सुनवाई टालेंगे नहीं, आपने ताजमहल के 22 कमरों की जानकारी किससे मांगा हाई कोर्ट के सवाल का जवाब देते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि हमने अथॉरिटी से जानकारी मांगी. इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि अगर उन्हों ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से कमरे बंद हैं तो यह जानकारी है। अगर आप संतुष्ट नहीं हैं तो इसे चुनौती दें। कृपया एमए में अपना नामांकन कराएं, फिर नेट, जेआरएफ के लिए जाएं और अगर कोई विश्वविद्यालय आपको ऐसे विषय पर शोध करने से मना करता है तो हमारे पास आएं।

ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में अदालत ने कहा परिसर में जारी रहेगी एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से एडवोकेट कमिश्नर को बदलने और ज्ञानवापी के तहखाने की वीडियोग्राफी मामले पर गुरुवार की दोपहर दो बजे के बाद अदालत ने अपना फैसला सुना दिया। ज्ञानवापी परिसर में कमीशन की कार्यवाही कर रहे एडवोकेट कमिश्नर को बदलने की अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की मांग सहित तहखाने की वीडियोग्राफी कराने की वादी पक्ष की अपील पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाया तो अदालत परिसर में खूब गहमागहमी नजर आई। अदालत ने फैसले में कहा है कि कमीशन की कार्यवाही जारी रहेगी। वहीं वीडियो रिकार्डिंग के साथ 17 मई तक रिपोर्ट प्रेषित करने का एडवोकेट कमिश्नर को आदेश दिया गया है। अदालत ने किया स?पष?ट : बहुप्रतीक्षित अदालत के फैसले में इस बार

शासन और प्रशासन के सहयोग से 17 मई के पूर्व संपूर्ण ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियो रिकार्डिंग करके कोर्ट को उपलब?ध कराना है। सारा अधिकार जिलाधिकारी को अदालत ने ताला खुलवा कर कमीशन की कार्यवाही का निर्देश जारी किया है। सर्वे का विरोध करने वालों पर विधिक कार्रवाई का निर्देश जारी किया गया है। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से सभी प्रकार की मांगों को खारिज करते हुए एडवोकेट कमिश?नर अजय मिश्रा और विशेष अधिवक?ता आयुक?त विशाल सिंह के साथ ही सहायक अधिवक?ता आयुक?त अजय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे और कमीशन की कार्यवाही पूरा कराएंगे। इस मामले में पूरे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियो रिकार्डिंग का आदेश अदालत की ओर से जारी करने की जानकारी अधिवक?ताओं की ओर से दी गई। ज्ञानवापी कमीशन कार्रवाई के संबंध में कोर्ट ने पूरी तरह से स?पष?ट रूप से गुरुवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि कमीशन की कार्यवाही जारी रहेगी। अंजुमन इंतजामिया कमेटी की एडवोकेट कमिश्वर बदलने की मांग भी खारिज कर दी गई। स?पष?ट किया गया कि अजय कुमार मिश्रा एडवोकेट कमिश्नर बने रहेंगे। उन्हें 17 मई तक कोर्ट में पूरी कार्यवाही की रिपोर्ट सबमिट करनी होगी। कमीशन कार्यवाही के स्थल पर वादी, प्रतिवादी, अधिवक्तागण, एडवोकेट कमिशन्र, उनके सहायक व कमीशन कार्रवाई से संबंधित व्यक्तियों को छोड़ कर अन्य कोई बाहरी व्यक्ति नहीं शामिल हो सकेगा। एडवोकेट कमिशन्र पक्षकारों द्वारा बताए गए बिंदुओं पर फोटो लेने व वीडियोग्राफी कराने के लिए स्वतंत्र होंगी।

पायरिया गंभीर बीमारी नहीं समय पर इलाज से होगा ठीक

मीरजापुर । दांतों में साफ-सफाई न रखने के कारण कई बीमारियां हो सकती हैं। मसूड़ों में सूजन, खून आना, कीड़े लगना, पानी लगना, पस आना व दर्द होना आदि बीमारी है। इसमें सबसे बड़ी बीमारी पायरिया होती है जिसका ध्यान नहीं देने पर आगे चलकर बड़ी बीमारी का रूप ले लेती है। पायरिया का समय से इलाज कराने पर यह ठीक हो जाता है। इलाज न कराने पर उनके मसूड़ों से खून निकलने लगता है। मुंह से बदबू भी आने लगती है। धीरे-धीरे मसूड़ों से पस आने के कारण दांत खराब होकर निकलने लगते हैं। इससे बचने के लिए सुबह-शाम ब्रश करें। माउथवास का इस्तेमाल करें। प्रत्येक तीन माह पर एक बार डाक्टर को दिखाकर सलाह लेते रहें। कड़े ब्रश से दांत साफ नहीं करें बल्कि साफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके साथ ही शुगर युक्त आहार न लें जैसे टॉफी, चाकलेट, आदि मीठी वस्तुए नहीं खाएं। इससे दांतों में कैबीटी बढ़ती है। केवल फाइवर युक्त फल सेब, केला, संतरा सहित अन्य भोजन करें। ये जानकारी दंत रोग विशेषज्ञ डा. टीएन द्विवेदी ने के लोकप्रिय कार्यक्रम हैलो डाक्टर में मरीजों को उपचार बताते हुए बुधवार को कलेक्ट्रेट रोड स्थित कार्यालय में बताई। पेश है उनसे बातचीत के प्रमुख अंश सवाल : दांत में कई सालों से पानी लग रहा है, क्या इलाज करें जवाब : ऐसा अधिक देर तक ब्रश करने के कारण दांत घिस जाते हैं। इससे ठंडा पानी पीने पर लगते हैं। इसके लिए सेसोंडाइन मंजन करें। डाक्टर को दिखाएं। सवाल : दांतों में कैबीटी है, बचाव बताएं जवाब : दांतों में अधिक मीठा खाने या साफ-सफाई नहीं रखने से यह होता है। इसलिए सुबह-शाम ब्रश करें। डाक्टर को दिखाकर दवा लें, आराम मिल जाएगा। सवाल : दांतों में कीड़े लग गए हैं, उससे कैसे निजात मिलेगा जवाब : दांतों की साफ-सफाई न रखने से कीड़े लगते हैं। उसको डाक्टर को दिखाएं, इलाज कराने पर राहत मिलेगी। सवाल : मसूड़ों से कई महीनों से खून निकल रहा है, इलाज बताएं जवाब : यह पायरिया की बीमारी के लक्षण हैं। डाक्टर को दिखाकर इलाज कराएं तो ठीक हो जाएगा। सवाल : मसूड़ों से पस निकलता है। बहुत परेशान हैं, क्या करें जवाब : यह पायरिया बीमारी के कारण होता है। जब मसूड़ों में सड़न होने लगी है तो ऐसा होता है। इसके लिए आपको एक्सरे कराकर आइआरसीटी कराएं। सवाल : दो साल पहले दांत निकलवाए थे लेकिन अभी भी दर्द होता रहा है, क्या करें जवाब : ऐसा पूरी तरह से दांत नहीं निकलने से होता है। मसूड़ों के अंदर कुछ दांत रह गयाहोगा, इससे दर्द हो रहा है। एक्सरे कराकर इलाज कराएं, राहत मिलेगी सवाल : दांतों में बहुत दर्द हो रहा है। क्या करें जवाब : आप गुनगुने पानी में नमक डालकर उससे गरारा करें, आराम मिल जाएगा। आराम नहीं मिलता है तो डाक्टर को दिखा लें।सवाल : मुंह से बदबू आता है। क्या इलाज कराएं जवाब : ऐसा पायरिया होने से होता है। जब मसूड़ों में सड़क होने लगती है तो सुबह से बदबू आता है। सवाल : दांत पीला हो गया है, कैसे साफ होगा जवाब : ऐसा प्रतिदिन ब्रश नहीं करने से होता है। सुबह-शाम ब्रश करें, साफ हो जाएगा। इन्होंने पूछे सवाल दिनेश सिंह पड़री, अंजनी दूबे मझवां, भूपेंद्र सिंह आही कछवां, संजय कुमार भावां, मुकेश कुमार राजगढ़, जीपी तिवारी घुरूहूपटटी, राकेश सिंह पड़री, कौशलेश सिंह डिगुरपटटी कोन ब्लाक, प्रिया शुक्ला धुंधी कटरा, अभिषेक विजयपुर, आमिर वासलीगंज, शानि यादव डंकीनगंज, प्रशांत अग्रवाल वासलीगंज, पंकज खनन वासलीगंज आदि लोगों ने दांतों से संबंधित बीमारियों के उपचार की जानकारी ली।

चित्र 9 सुरक्षाकर्मियों ने एनटीपीसी परिसर में किया मार्क ड्रिल

सोनभद्र । एनटीपीसी के क्लोरिन प्लांट में बुधवार को गैस का भारी रिसाव शुरू हो गया। रिसाव की चपेट में चार कर्मचारी आ गए। घटना की सूचना आसपास के लोगों ने सीआइएसएफ व डीडीएमए को दी। सूचना पर सीआइएसएफ ने घटना स्थल पर पहुंच कर बचाव अभियान शुरू कर दिया। परेशान न हों यह सच नहीं बल्कि बुधवार को एनटीपीसी परिसर के अंदर एसडीएम दुद्धी के नेतृत्व में केमिकल, बायोलोजिकल घटना पर डीडीएमए व सीआइएसएफ जवानों ने मार्क ड्रिल का यश्य है। पूर्वाभ्यास में एनटीपीसी परिसर के क्लोरिन प्लांट में अचानक गैस का भारी रिसाव शुरू होता है। एनडीआरएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव का कार्य शुरू कर दिया। क्लोरीन प्लांट रिसाव में घायलों को बाहर निकाला गया और उनको प्राथमिक उपचार देते हुए स्वच्छता स्थानों पर पहुंचाया गया। गंभीर मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। टीम को इसी दौरान पता चलता है कि परिसर के दूसरे बिल्डिग में आग लग गई है। एनडीआरएफ व सीआइएसएफ टीम तत्काल बचाव कार्य करने में लग गए। जवानों द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बिल्डिग में फंसे कर्मचारी व अन्य व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालने का कार्य किया गया। इस मौके पर एनडीआरएफ के उप कमांडेंट दिनेश कुमार, ओमकार नाथ, पवन शुक्ला आदि रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए सोशल आडिट

हलिया (मीरजापुर) । विकास खंड के 79 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 33869 अपात्र व मृतक लाभाथिर्यों को चिन्हित करने के लिए कृषि विभाग की ओर से बुधवार को लाभाथिर्यों का सोशल आडिट किया गया। इसके लिए कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में स्थित पंचायत भवन में लगाकर कैंप लगाया गया है। इससे अपात्र व मृतक लाभाथिर्यों के नाम योजना से निरस्त किया जा सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सोशल आडिट के लिए बुधवार को नौगावां पंचायत भवन, मझिगवां, चक कोटार, मतवार, सहजी में टीए सुरेंद्र कुमार यादव, सत्येंद्र कुमार, आकाश, अंकित, एटीएम हरिकेश पटेल, वीरेंद्र कुमार मौर्य, बीटीएम अनिल कुमार सिंह द्वारा कैंप लगाकर अपात्र व मृतक लाभाथिर्यों को चिहित कर घोषणा पत्र भरवाया गया। इसमें लाभार्थी का आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी लिया जा रहा है। सहायक विकास अधिकारी कृषि नरेंद्र कानपुरिया ने सोशल आडिट कैंप नौगवां का निरीक्षण किया। यहां पर कुल लाभथिर्यों की संख्या 900 में चार सौ लाभाथिर्यों का अपनी उपस्थिति में सोशल आडिट कराया। यहां 17 लाभार्थी अपात्र व 12 लाभार्थी मृतक मिले। सहायक विकास अधिकारी कृषि ने बताया कि सोशल आडिट के साथ लाभाथिर्यों के ईकेवाईसी सहज जन सेवा के माध्यम से कराया जा रहा है। अब तक कुल 17578 लाभथिर्यों ने ही ईकेवाईसी कराया है अभी भी कुल 16291 लाभाथिर्यों का ईकेवाईसी नहीं हुआ है। ईकेवाईसी कराने के बाद ही अगली किस्त की धनराशि लाभार्थी के खातें में आएगी। सोशल आडिट में 112 किसानों ने किया आवेदन चुनार ग्राम पंचायत जलालपुर मैदान के पंचायत भवन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभाथिर्यों की सोशल आडिट की गई। सोशल ऑडिट में मृतक, पात्र, अपात्र, नए पात्र और बाहरी लाभाथिर्यों को चिन्हित कर निर्धारित प्रारूप पर सूची तैयार की गई। इस दौरान 112 किसानों का आवेदन लिया गया। प्राविधिक सहायक आकांक्षा पटेल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ उठा रहे सभी किसानों का नाम पढ़कर सुनाया एवं उसका सामाजिक अंकेक्षण किया गया। एडीओ कृषि कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की राशि जरूरतमंद किसानों को मिले यह सुनिश्चित करने के लिए सोशल आडिट की जा रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व से इस योजना से ग्राम पंचायत के 217 किसानों लाभान्वित हो रहे है और उनका नाम पढ़कर सुनाया गया। वीडीओ मनोज यादव आदि रहे ।

अधिग्रहीत की गई भूमि पर चला बुलडोजर, कई अवैध निर्माण जमींदोज

चुनार (मीरजापुर) । सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बनाने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में बुधवार को बुलडोजर से कई अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए। बुलडोजर चलने से हड़कंप मचा रहा। अवैध निर्माण करने वाले मौके से पलायित हो गए। वाराणसी-मीरजापुर राजमार्ग पर सहसपुरा गांव के पास एसडीएम चुनार नीरज प्रसाद पटेल के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस की टीम ने अतिक्रमण ध्वस्त कराया। डगमगपुर से टेंगरा मोड़ वाराणसी तक नेशनल हाईवे-7 के चौड़ीकरण का काम कराया जा रहा है। इसी में अधिग्रहीत किए जाने और मुआवजा लेने के बाद भी सहसपुरा निवासी कर्ण सिंह की ओर से अपने भवन को मौके से नहीं हटाया जा रहा था। इसके कारण मौके पर ड्रैनेज के लिए कराया जा रहा निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था। इसके लिए उपजिलाधिकारी कार्यालय से कई बार नोटिस भी दी गई थी। बुधवार को मौके पर एसडीएम व सीओ चुनार रामानंद राय बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंच गए और बुलडोजर चलवा कर निर्माण ध्वस्त करा दिया। इस कार्रवाई से मौके पर जुटे लोगों में अफरा तफरी का माहौल रहा। नगरपालिका परिषद की टीम ने घंटाघर से खजांची चौराहा तक अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। कुछ दुकानदारों ने दुकान से बाहर तक सामान रखा हुआ था जिसे अंदर कराते हुए कड़ी चेतावनी दी गई। लोगों ने नाली तक को नहीं बख्शा था। टीम की कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में खलबली मची रही। दोपहर में नपा परिषद कर्मी जेसीबी लेकर घंटाघर की ओर पहुंचे। इस दौरान खजांची चौराहे तक सड़क सिमटी हुई नजर आई। टीम ने जब कार्रवाई शुरू की तो कुछ लोगों ने सड़क से अपना सामान खुद समेटना शुरू कर दिया। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी कि यदि दोबारा ऐसा किया तो कार्रवाई होगी। इस दौरान कर निर्धारण अधीक्षक अरविद कुमार, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक मनोज सेठ व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गोदाम में लगी आग हजारों का सामान राख

जमालपुर (मीरजापुर) । स्थानीय बाजार में संदिग्ध परिस्थितियों में दुकान की गोदाम में लगी आग से हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सिकंदरपुर गांव निवासी कमलेश केशरी की बाजार में बच्चों की साइकिल एवं सूप-दौरा की दुकान है। दुकान के पीछे गोदाम में शाम अबूझहाल में आग लग गई। गोदाम से धुआं निकलता देख मौके पर पहुंचे लोग आग बुझाने का प्रयास करते तब तक विक्रय के लिए गोदाम में रखा बच्चों का पलंग, साइकिल, सूप, दौरा, झाडू, पंखा आदि जलकर नष्ट हो गया। दुकान स्वामी ने बताया कि सोमवार की शाम 22 हजार रुपये का सामान गोदाम में लाकर विक्रय करने के लिए रखा गया था।

पुलिस ने धरतीडोलवा, बरखोहरा के जंगलों में की कांबिग

महुली (सोनभद्र)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नक्सली गतिविधियों की रोकथाम के लिए बुधवार को क्षेत्राधिकारी दुद्धी आशीष मिश्रा व विढमगंज थाना प्रभारी सूर्यभान ने पुलिस व पीएसी बल के साथ झारखंड बार्डर से सटे गांव धरती डोलवा व बरखोहरा के जंगलों में कांबिग की। वही क्षेत्राधिकारी आस-पास के गांवों में ग्रामीणों से पूछताछ करते हुए क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली। वहीं झारखंड में होने वाली पंचायत चुनाव के बारे भी जानकारी ली। ग्रामीणों से कहा कि कहा कि किसी अपरिचित व्यक्ति दिखे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। आप लोगों के सहयोग से घटनाओं दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है। पुलिस आप लोगों का चौबीस घंटे मदद करने को तैयार है। आप लोगों के सहयोग से ही अपराधों को रोका जा सकता है। कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखता है तो तत्काल उसकी सूचना पुलिस को दें। जिससे समय रहते कारवाई किया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने घर गांव में शरण न दें। पुलिस द्वारा क्षेत्र में भ्रमण करने से घटनाओं पर भी अंकुश लग रहा है। झारखंड में होने वाली पंचायत चुनाव को देखते हुए बार्डर क्षेत्रों के गांवों में पुलिस की चहलकदमी से झारखंड के लोग भी सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

भूख से तड़प रहे गोवंश, प्रशासन बेखबर

मीरजापुर । गो आश्रय केंद्रों पर पशु भूख से तड़प रहे हैं। चारा व पानी के संकट के कारण असमय ही काल कवलित हो रहें हैं लेकिन प्रशासनिक अमला पूरी तरह बेखबर है।प्रदेश सरकार की ओर से बेसहारा पशुओं की देखभाल के लिए लाखों खर्च कर जगह-जगह पशु आश्रय स्थल का निर्माण कराया गया है। पशुओं को खाने के लिए हरा चारा, भूसा की भी व्यवस्था की गई है। इसके बाद भी धरातल पर जिम्मेदार पलीता लगा रहे है। किसी गो आश्रय स्थल में हरे चारे की व्यवस्था नहीं है तो कहीं भूसे की कमी है। ऐसे में गोवंश भूख से तड़पने को विवश हैं। राजगढ़, मझवां, लालगंज, नरायनपुर, हलिया में बने आश्रय स्थल में व्यवस्था बदहाल है।राजगढ़ क्षेत्र में गोल्हनपुर और धनसिरिया में आश्रय स्थल बनाए गए हैं। यहां पर लगभग 98 पशु रखे गए हैं। यहा 80 क्विंटल भूसे की व्यवस्था की गई है, लेकिन सफाई व्यवस्था अच्छी नहीं है। लालगंज क्षेत्र में दो अस्थायी गौशाला हैं। यहां पर करीब 187 गोवंशों को रखा गया है। यहां भी हरे चारे की व्यवस्था न के बराबर देखने को मिलती है। इसके अलावा गौशाला की भी स्थिति अच्छी नहीं है। सबसे खराब स्थिति धनसिरिया की है।3 साल बीत गए और लाखों रुपये खर्च हो गए लेकिन पशु आश्रय केंद्र पूर्ण रूप से नहीं बन सका। गौशाला के अंदर जाने के लिए रास्ते की व्यवस्था नहीं है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी राजगढ़ शैलेंद्र सिंह से बताया कि जल्द ही कार्य पूरा हो जाएगा। वहीं मझवां विकास खंड में कुल 40 ग्राम पंचायत है जबकि मात्र एक करसड़ा में आश्रय स्थल बनाया गया है। यहां 91 पशु रखे गए हैं। अन्यत्र जगहों पर आपको छुट्टा पशु घुमते हुए दिख जाएंगे। ग्राम प्रधान नीरज कुमार ने बताया कि करसड़ा में चारागाह की भूमि के नाम पर 10 एकड़ भूमि आवंटित की गई है लेकिन अतिक्रमण के चलते मात्र 5 बिस्वा में ही चारे की बोआई की गई है।वहीं हलिया क्षेत्र के उमरिया में एक स्थायी और गलरा, महोगढी. व गौरवा में अस्थायी गोवंश आश्रय केंद्र संचालित हो रहे हैं। यहां पर कुल 1015 गोवंशों को रखा गया है। चूंकि यहां पर सबसे ज्यादा गोवंश रखे गए हैं इसिलए यहां चारे की भी ज्यादा जरूरत पड़ती है, इसके बावजूद ध्यान नहीं दिया जा रहा। पशु चिकित्सक डा. कमलेश कुमार ने बताया कि पशुओं को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए व्यवस्था की जा रही है।

वस्तुस्थिति से अवगत न कराने पर दो प्रबंधकों को चेतावनी

चुनार (मीरजापुर) । नरायनपुर ब्लाक सभागार में बुधवार को बीडीओ पवन कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में शौचालय निर्माण व संचालन की वस्तुस्थिति से अवगत न करा पाने की दशा में दो ब्लाक मिशन प्रबंधकों को बीडीओ ने चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप बीएमएम उद्यमिता के क्षेत्र में कार्य करने वाले बीस ऐसे समूहों का चयन करें जिन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाए ताकि समूह की मासिक आय एक से दो लाख रुपये हो सके। बीडीओ ने चारों मिशन प्रबंधकों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में कार्य कर रहीं 14 विद्युत सखियों एसडीओ कार्यालय से समन्वय बनाकर कार्य करें। बड़े विद्युत बकाएदारों की सूची उपलब्ध कराएं ताकि वे इन बकाएदारों के बिलों का भुगतान कराने का प्रयास करें। क्षेत्र में सक्रिय 60 बैंकिग सखियों द्वारा किए जा रहे बैंकिग कार्यों का अभिलेखों से आनलाइन मिलान करा लें। सामुदायिक शौचालयों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह शौचालयों का संचालन करने के लिए ग्राम पंचायतों द्वारा समूहों को धनराशि का भुगतान किया जा रहा है अथवा नहीं। इस मौके पर वीडीओ सरोज देवी, बीएमएम ज्योति कुमारी, चंदन कुमार, शिवानंद व विश्वजीत मौजूद थे।

तालाब में डूबने से किशोर की गई जान

हलिया (मीरजापुर) । क्षेत्र के नौगावां ढेढी पहाड़ी स्थित एक गड्ढे में सनन के दौरान गहरे पानी में चले जाने से बुधवार की सुबह किशोर डूब गया। साथ नहा रहे अन्य किशोरों की सूचना पर पहुंचे निवासी नाना कामता प्रसाद के किसी कार्यक्रम में शामिल होने मां के साथ आया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बुधवार को अन्य बच्चों के साथ नौगवां ढेढी पहाड़ी पर डीबीएल कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा खोदाई के कारण बने गडढे में सनन करने चला गया। इसी दौरान गहरे पानी में जाकर डूब गया। आशीष को डूबते देख साथ नहा रहे अन्य बच्चे शोर मचाने लगे। शोरगुल सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने स्वजन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे स्वजन गहरे पानी में कटिया डालकर किशोर के शव को बाहर निकाला इसके बाद उसे एक निजी चिकित्सालय ले गए। एसआई ने बताया कि गहरे पानी में डूबने से किशोर की मौत हो गई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। आशीष को डूबते देख साथ नहा रहे अन्य बच्चे शोर मचाने लगे। शोरगुल सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने स्वजन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे स्वजन गहरे पानी में कटिया डालकर किशोर के शव को बाहर निकाला इसके बाद उसे एक निजी चिकित्सालय ले गए। एसआई ने बताया कि गहरे पानी में डूबने से किशोर की मौत हो गई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

23 विकेट लेकर टाप पर बरकरार हैं युजवेंद्र चहल, हसरंगा से मिल रही है कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब तक हुए मुकाबलों में बल्ले और गेंद का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला है। इस सीजन में आइपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीमें प्वाइंट्स टेबल में नीचे तो पहली बार खेल रही दो टीमें टाप चार में बने हुए हैं। इस सीजन में अब तक हुए मैचों की बात करें तो यहां कुछ टीमों ने 200 से ज्यादा का स्कोर भी खड़ा किया है तो कुछ 68 जैसे लो स्कोर पर भी आउट हुए हैं। इसलिए हर बार की तरह इस बार भी गेंदबाजों में पर्पल कैप को लेकर होड़ मची हुई है। वर्तमान में इस सूची में युजवेंद्र चहल का कब्जा है। दिल्ली के खिलाफ मैच में उन्हें भले ही केवल 1 ही विकेट मिली हो लेकिन वो अब भी पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं। अब उनके खाते में 12 मैचों में 23 विकेट हो गए हैं। दूसरे नंबर पर आरसीबी के स्पिन गेंदबाज वानिंदू हसरंगा ने 21 विकटों के साथ जगह बना ली है। उन्होंने हैदराबाद के

खिलाफ मैच में 5 विकेट हासिल किए। अब वे चहल से केवल दो विकेट पीछे हैं। गुजरात के खिलाफ मैच में 4 विकेट लेने वाले रबाडा तीसरे नंबर पर हैं। अब उनके खाते में 10 मैचों में 18 विकेट हैं। दिल्ली के कुलदीप यादव के पास भी 18 विकेट हैं और वह रबाडा के बाद इस लिस्ट में मौजूद हैं। हैदराबाद की तरफ से खेल रहे टी नटराजन 5वें नंबर पर हैं। उन्होंने 9 मैचों में ही 17 विकेट हासिल किए हैं। दिल्ली के खलील अहमद ने इस सीजन बेहतर खेल दिखाया है। वह 8 मैच खेलकर 16 विकेट लेकर वह इस लिस्ट में नटराजन के बाद छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। चेनन्ई के डी जे ब्रावो को इस लिस्ट में सातवां स्थान हासिल है। उनके खाते में 9 मैच खेलने के बाद कुल 16 विकेट हैं। लखनऊ के तेज गेंदबाज आवेश खान ने 8वें नंबर पर जगह बना ली है। उन्होंने गुजरात के खिलाफ मैच में 2 विकेट लेकर अपने विकटों की संख्या को 16 कर लिया है। 9वें और 10वें स्थान पर क्रमशः मोहम्मद शमी और उमेश यादव हैं। मोहम्मद शमी के नाम 12 मैचों में 16 विकेट जबकि कोलकाता के तेज गेंदबाज उमेश यादव के खाते में 10 मैचों में 15 विकेट है।

मिचेल मार्श और अश्विन के लिए यादगर मैच

नई दिल्ली। दिल्ली और राजस्थान के बीच खेले गए मैच में भले जीत दिल्ली की टीम को मिली हो लेकिन दो खिलाड़ियों के लिए ये मैच बेहद यादगार हो गया जिसे वो ताउम्र भूल नहीं पाएंगे। दरअसल डीवाई

पाटिल के मैदान पर जहां बल्लेबाजी करना मुश्किल हो रहा था और राजस्थान की टीम टास हार कर 11 रन के स्कोर पर अपने सबसे सफल बल्लेबाज जोस बटलर का विकेट खो चुकी थी ऐसे में अश्विन ने अपने बल्ले का दम दिखाया और तीसरे विकेट के लिए 53 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकाला। उन्होंने 38 गेंद पर आइपीएल की अपनी पहली फिफ्टी लगाई जिसमें उन्होंन 4 चौके और 2 छक्के लगाए। राजस्थान के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलने वाले रविचंद्रन अश्विन ने एक अनोखा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने इस मामले में आलराउंडर रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया है। जडेजा 132वें इनिंग्स में अपना पहला 50 रन का स्कोर किया था जबकि अश्विन ने 72वें इनिंग्स में ही ये उपलब्धि हासिल कर ली। दूसरी तरफ दिल्ली के बल्लेबाज मिचेल मार्श के लिए भी ये मैच यादगार रहा, उन्होंने इस मैच में बल्ले और गेंद दोनों से कमाल किया। पहले उन्होंने गेंद से 2 विकेट लेकर राजस्थान की टीम को कम स्कोर पर रोका और फिर अपने आइपीएल करियर की पहली फिफ्टी लगाकर टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ 89 रन की पारी खेली थी। मैच के बाद मार्श ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए मुश्किल थी और इस पिच ने उन्हें पर्थ की याद दिला दी। उन्होंने कहा कि शुरुआती 4-5 ओवर में बल्लेबाजी करना काफी मुश्किल था क्योंकि गेंद स्विंग हो रही थी। इस मैच में मैंने इस तरह से बल्लेबाजी की जैसे पिछले कुछ मैचों से चाह रहा था। उन्होंने जीत का श्रेय अच्छी साझेदारी को दिया।

पृथ्वी शा की वापसी को लेकर आया अपडेट कप्तान पंत ने दिया बयान

नई दिल्ली। राजस्थान के खिलाफ मैच में दिल्ली की टीम ने बेहतरीन खेल का परिचय देते हुए न केवल 8 विकेट से मैच जीता बल्कि प्लेआफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को और भी मजबूत कर दिया। इस बड़ी जीत के बाद दिल्ली टीम की नेट रन रेट में भी सुधार आया है। लेकिन पृथ्वी शा की अनुपस्थिति में पिछले दोनों मैचों में टीन की ओपनिंग जोड़ी कमजोर नजर आई है और दोनों ही बार श्रीकर भारत जल्दी आउट हो गए हैं। मैच के बाद जब पंत से पृथ्वी शा की वापसी को लेकर प्रश्न किया गया था तो उन्होंने कहा डाक्टरों ने उनसे कहा कि उन्हें टायफाइड हो गया है। पंत ने कहा कि वे उन्हें मिस कर रहे हैं लेकिन ये उनके कंट्रोल में नहीं हैं। बुखार के कारण पृथ्वी शा को बीते रविवार को अस्पताल में एडमिट किया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर भी साझा की थी जिसमें वो अस्पताल की बेड पर लेटे हुए नजर आ रहे थे। उन्होंने उस पोस्ट के माध्यम से लिखा था

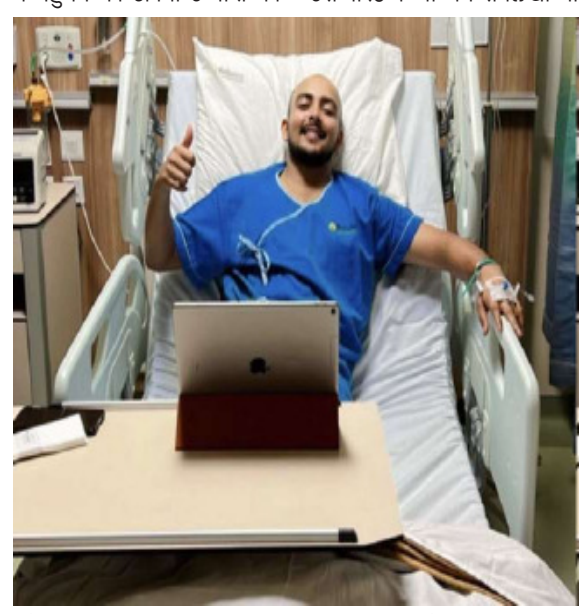

कि उन्हें उम्मीद है कि वो जल्द वापसी करेंगे। फिलहाल उनके स्थान पर श्रीकर भारत को टीम में मौका मिल रहा है लेकिन दोनों ही मैचों में वो असफल रहे हैं। मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान की टीम ने अश्विन के 50 और देवदत्त पाडिक्कल के 48 रनों की पारी के दम पर दिल्ली के सामने 160 रन बनाए थे जिसे दिल्ली की टीम ने केवल 2 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। दिल्ली की तरफ से मिचेल मार्श ने 89 और डेविड वार्नर ने 52 रनों की पारी खेली।

विराट कोहली को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चयनकर्ता दे सकते हैं आराम

नई दिल्ली। खराब फार्म से जूझ रहे विराट कोहली को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की आगामी टी-20 सीरीज के लिए आराम दिए जाने की पूरी संभावना है। उम्मीद है कि इस ब्रेक से इंग्लैंड दौरे से पहले कोहली की थकान दूर हो जाएगी। पता चला है कि चेतन शर्मा की अगुआई वाली राष्ट्रीय चयन समिति भारत के नंबर एक बल्लेबाज को खेल से कुछ समय के लिए आराम करने देगी, क्योंकि वह पिछले दो महीने से बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए बनाए गए सुरक्षित माहौल) में काफी समय बिता रहे हैं। कोहली अपने करियर के खराब दौर से गुजर रहे हैं, उन्होंने करीब तीन वषी से शतक नहीं लगाया है। बीसीसीआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'पूरी संभावना है कि विराट कोहली को दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा। वह काफी क्रिकेट खेल रहे हैं और लंबे समय से बायो-बबल में रह रहे है। कोहली और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के संबंध में यह नीतिगत फैसला रहा है कि उन्हें समय समय पर ब्रेक दिया जाएगा। खिलाड़ियों को कई बार ब्रेक लेने से फार्म में वापसी में मदद मिलती है और शायद कोहली को भी इसी ब्रेक की जरूरत है।

रोहित के सामने होंगे एमएस धौनी, जानें कब और कहां देख सकते हैं ये मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 59वें मैच में चेनन्ई और मुंबई की टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमों के लिए आइपीएल का ये सीजन बेहद ही खराब रहा है। मुंबई जहां पहले ही प्लेआफ की दौड़ से बाहर निकल चुकी है वहीं चेनन्ई को उम्मीद है कि अभी भी कोई चमत्कारिक प्रदर्शन उसे अंतिम चार में जगह दिलवा सकती है। पिछले मुकाबले की बात करें तो जब दोनों टीमें आमने-सामने आई थी तो चेनन्ई ने मुंबई को 3 विकेट से हरा दिया था ऐसे में मुंबई के पास अपनी हार का बदला लेने का मौका होगा। यदि आप भी इन दोनों टीमों के बीच की राइबलरी का आनंद लेना चाहते हैं तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। कब होगा चेनन्ई और मुंबई के बीच ये मैच 12 मई, गुरुवार को होगा चेनन्ई और मुंबई के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा चेनन्ई और मुंबई के बीच ये मैच चेनन्ई और मुंबई के बीच ये मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा चेनन्ई और मुंबई के बीच ये मैच चेनन्ई और मुंबई के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।कितने बजे होगा चेनन्ई और मुंबई के बीच इस मैच का टास चेनन्ई और मुंबई के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। चेनन्ई और मुंबई के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं चेनन्ई और मुंबई के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रखने मुंबई के खिलाफ उतरेगी चेन्नई की टीम

मुंबई। खराब दौर से जूझ रही चेनन्ई सुपरकिंग्स (सीएसके) गुरुवार को जब यहां आइपीएल मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य टूर्नामेंट में अस्तित्व बचाए रखने का होगा, जबकि प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यह सत्र चेनन्ई और मुंबई जैसी आइपीएल की दो सबसे कामयाब टीमों के लिए निराशाजनक रहा है। मुंबई अब प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी, जबकि चेनन्ई तकनीकी रूप से अभी भी दौड़ में है, बशर्ते बाकी मैचों के नतीजे उसके अनुकूल रहें चेनन्ई अगर मुंबई से हार जाती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। चेनन्ई ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 91 रन से हराया था और उसे इस लय को कायम रखने की उम्मीद है। सलामी बल्लेबाज डेवोन कोन्वे शानदार फार्म में है और लगातार तीन अर्धशतक जमा चुके है। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 87 रन बनाए, हालांकि सलामी जोड़ीदार रुतुराज गायकवाड़ से उन्हें सहयोग की उम्मीद होगी। रवींद्र जडेजा के लिए भी यह सत्र बुरे सपने जैसा रहा और उन्होंने कप्तानी भी बीच में छोड़ दी। दिल्ली के खिलाफ पिछले

मैच में वह चोट के कारण बाहर थे। अब देखना यह है कि क्या वह मुंबई के खिलाफ खेल सकते है। चेनन्ई को बड़ा स्कोर बनाना होगा, जिसके लिए सभी बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछली बार दोनों टीमों के मुकाबले में महेंद्र सिंह धौनी ने अपना फिनिशिंग अंदाज दिखाकर जीत दिलाई थी। सीएसके ने दिल्ली को 117 रन पर समेट दिया था। मोइन अली ने तीन विकेट लिए, जबकि युवा तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी और सिमरजीत सिंह ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। तीनों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा, जबकि स्पिनर महेश तीक्ष्णा के चार ओवर भी मैच का नक्शा बदल सकते हैं। ड्वेन ब्रावो के प्रदर्शन पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगा। मुंबई के लिए बाकी सारे मैच औपचारिकता के हैं और उन्हें मुकम्मिल प्रदर्शन करना होगा। कप्तान रोहित शर्मा (200 रन) और इशान किशन (321 रन) पर बल्लेबाजी का दारोमदार होगा। केकेआर के खिलाफ लड़खड़ा गए मुंबई के मध्यक्रम को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। सूर्यकुमार यादव चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में तिलक वर्मा, टिम डेविड, रमनदीप सिंह और कीरोन पोलार्ड पर जिम्मेदारी अधिक होगी। गेंदबाजी में बुमराह ने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें दूसरे गेंदबाजों से सहयोग की उम्मीद होगी। डेनियल सैम्स, रिले मेरेडिथ और कुमार कार्तिकेय सिंह को चेनन्ई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

पाकिस्तानी खिलाड़ी को भाया भारतीय बल्लेबाज, साथ खेलने के बाद जमकर की प्रशंसा

नई दिल्ली। काउंटी क्रिकेट चैंपियनशिप में साथ खेल रहे पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की है। वर्तमान में दोनों ससेक्स की तरफ से खेल रहे है। पुजारा जबरदस्त फार्म में है और चार मैचों में चार शतकीय पारी खेलकर 700 से भी ज्यादा रन बना चुके हैं। टीम इंडिया में जगह बनाने में असफल होने के बाद उन्होंने काउंटी क्रिकेट का रूख किया है। पिछले महीनें डरहम के खिलाफ रिजवान और पुजारा ने एक साथ बल्लेबाजी की और 154 रनों की साझेदारी कर पहली इनिंग्स में अपनी टीम को महत्वपूर्ण बढ़ते दिलवाई थी पाकिस्तान के बल्लेबाज रिजवान पुजारा की बल्लेबाजी से काफी प्रभावित नजर आए और उनकी खूब प्रशंसा की। रिजवान ने एक अंग्रेजी वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा कि ठमेरे लाइफ में कांसनट्रेशन के मामले में, मैंने यूनिस भाई को सबसे ऊपर देखा है। इसलिए नंबर वन पर वो हैं उनके बाद फवाद आलम थे लेकिन अब पुजारा नंबर दो पर हैं और फवाद नंबर 3 पर है उन्होंने कहा कि हमने सिक्रेट नहीं है कि हम इतना ज्यादा व्हाइट बाल क्रिकेट खेलते है जहां हम बाडी से दूर खेलते है। क्योंकि व्हाइट गेंद में ज्यादा स्विंग नहीं होता बार साथ में बल्लेबाजी कर रहे हैं। हम दोनों ने खूब मस्ती की। वे एक अच्छे इंसान हैं और उनके फोकस और कांसनट्रेशन का

इंग्लैंड आते ही पुजारा से इस बारे में बात की थी। उन्होंने कुछ चीजें बताई जैसे आपको गेंद के करीब जाकर खेलना चाहिए। इसमें कोई और आप केवल रन के पीछे जाते हैं। रिजवान ने कहा कि उन्हें पुजारा के साथ बल्लेबाजी करने में ऐसा नहीं लगा कि वो पहली कोई जवाब नहीं है। यदि आप किसी से कुछ सीख सकते हैं तो ऐसे मौकों को जाने नहीं देना चाहिए।

जीती मुंबई तो आइपीएल से बाहर होगी चेन्नई

नई दिल्ली, आनलाइन डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग के 59वें मैच में वानखेड़े के मैदान पर जब आइपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीमें आमने-सामने होंगी तो मुंबई के पास इस सीजन में चेनन्ई के खिलाफ मिली हार का बदला लेने मौका होगा। इसके अलावा यदि मुंबई आज का मैच जीतती है तो चेनन्ई का प्लेआफ से बाहर निकलना पक्का हो जाएगा। फिलहाल चेनन्ई 11 मैच खेली है और 4 जीत के साथ वे 9वें स्थान पर काबिज है जबकि पहले ही प्लेआफ की रेस से बाहर निकल चुकी मुंबई की टीम के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। टीम के लिए ये सीजन आइपीएल इतिहास का सबसे खराब सीजन रहा है और 11 मैचों में केवल 2 मैचों में टीम जीत दर्ज कर पाई है। मुंबई ने पहले राजस्थान रायल्स को और फिर गुजरात टाइटंस को हराया था। इस सीजन में दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने होंगी। पहली बार जब दोनों टीम आपस में टकराई थी तो जीत चेनन्ई के हाथ लगी थी और आखिरी ओवर में महेंद्र सिंह धौनी ने उनादकट के ओवर में 19 रन बनाकर चेनन्ई को 3 विकेट से जीत दिलवाई थी। मुंबई ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 155 रन बनाए थे। अब रोहित शर्मा के पास मौका है कि अपनी टीम को कप्तानी पारी खेल कर जीत दिलाए और पिछली हार का बदला ले। यदि वानखेड़े के मैदान पर मुंबई एक बार फिर से चेनन्ई से पार पाने में नाकामयाब होती है तो चेनन्ई की टीम लंबी छलांग लगाकर हैदराबाद, कोलकाता और पंजाब से जैसी टीमों से आगे निकलकर छठे नंबर पर पहुंच जाएगी। चेनन्ई की टीम के पास जीत के बाद 10 अंक ही होंगे लेकिन नेट रन रेट में वो इन टीमों से आगे होगी।

राशिफल

मेष-: ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे. आभूषण और प्राचीन वस्तुओं में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लाएगा।

वृष-: आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। यदि आप प्रयास करेंगे तो लगभग सभी किए गए कार्यों से लाभ मिलेगा। ऑफिस में आज आप महसूस करेंगे कि दिन बहुत तेजी से बीत रहा है।

मिथुन-: आज आपको आराम करने और करीबी दोस्तों और परिवार के साथ कुछ खुशी के पल बिताने की जरूरत है. क्रेडिट मांगने वाले लोगों को अनदेखा करें। मुसीबत के समय परिवार से मदद और सलाह मिलेगी।

कर्क-: आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी कर सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे जल्द ही छोड़ दें। दूसरों से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें।

सिंह-: शक्ति और निडरता के गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में वृद्धि करेंगे. किसी भी तरह की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इस गति को तेज रखें।

कन्या-: आज धन और परिवार के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा. महत्वपूर्ण कार्यों में भाग्य आपका साथ देगा। जिससे आपके सारे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आप अपने लक्ष्य के बहुत करीब रहेंगे।

तुला-: आपके कंधों पर बहुत कुछ टिका हुआ है और निणर्य लेने के लिए स्पष्ट सोच आवश्यक है. बैंक से जुड़े लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृश्चिक-: आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है. आपको आपके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा सकता है। पारिवारिक कार्य के लिए कोई भी निणर्य लेने से पहले सोच-समझकर विचार करें या घर के किसी बड़े।

धनु-: आशावादी रहें और उज्ज्वल पक्ष को देखें। आपका विश्वास और आशा आपकी इच्छाओं और आशाओं के लिए नए द्वार खोलेगा। विशेषज्ञ की सलाह के बिना निवेश करेंगे तो नुकसान हो सकता है।

मकर-: आज आपको अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. आज आप अपने प्रदर्शन से खुश रहें गे। आज आपका आत्मविश्वास ऊंचा बना रहेगा। आप अपने आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से अपने आसपास के लोगा

कुंभ-: धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के कार्य करने के लिए दिन अच्छा है. आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तय बजट से ज्यादा दूर न जाएं। जमीन से जुड़े विवाद लड़ाई में बदल सकते हैं।

मीन-: आज का दिन सामान्य रहेगा. आपकी इच्छा के अनुसार सभी कार्य पूर्ण होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। जिससे आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। अगर किसी से अनबन चल रही है।

सम्पादकीय

उत्पीड़न के शिकार लड़कों की अनदेखी, यौन शोषित लड़के समाज के पुरुषत्व ढांचे के बीच घुट जाते ह

बीते दिनों खबर आई कि राजस्थान में बाल आयोग ने छेड़छाड़-दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जागरूकता अभियान शुरू किया है। चूंकि ऐसी घटनाओं में बच्चियों को बड़े पैमाने पर निशाना बनाया जा रहा है तो बाल आयोग की यह पहल उचित कही जाएगी। यह आवश्यक भी है कि उन्हें आरंभ से ही 'गुड टच-बैड टच' के प्रति अवगत कराया जाए। हालांकि इस जागरूकता अभियान में बालकों को शामिल नहीं किया गया है। इससे प्रतीत होता है कि आयोग की दृष्टि में लड़कों के लिए ऐसे प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है और लड़कियों की भांति उनका यौन उत्पीड़न नहीं होता यह सच नहीं है। यह धारणा पूरी तरह गलत है कि अमूमन लड़कों का यौन उत्पीड़न नहीं होता। आखिर ऐसे मिथक समाज में क्यों फैले हुए हैं? इंडियन जर्नल आफ साइकेट्री द्वारा 2015 में प्रकाशित लेख में यौन पीडि़तों का उल्लेख किया गया था। उसमें एक प्रसंग नौ वर्ष के पीडि़त बालक का था। उसके पिता ने अपने बेटे के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श का विरोध करते हुए यह दलील दी थी कि 'इससे न तो वह अपना कौमार्य खोएगा न ही गर्भधारण करेगा। उसे एक पुरुष की तरह व्यवहार करना आना चाहिए न कि किसी डरपोक इंसान की तरह।' लड़कों के प्रति इस प्रकार की घोर असंवेदनशीलता उन्हें असहनीय शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा झेलने पर विवश करती है। इससे तमाम लड़के अवसाद में भी चले जाते हैं। मर्सर यूनिवर्सिटी, जाजिर्या में प्रोफेसर पैट्रीशिया रिकादी ने 'मेल रेपः द साइलेंट विक्टिम एंड द जेंडर आफ द लिसनर' शीर्षक से किए शोध में उजागर किया कि जो लड़के बचपन में यौन शोषण का शिकार होते हैं वे जीवन भर भावनात्मक, सामाजिक और निजी चुनौतियों से जूझते हैं और ये चुनौतियां उनके मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को घातक रूप से प्रभावित करती हैं। देश-दुनिया के आंकड़ों का गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होगा कि यौन उत्पीड़न के मामले में लड़कों के लिए लड़कियों के बराबर ही खतरा है, परंतु वास्तविकता के धरातल पर इसे अनदेखा कर नकार दिया जाता है। यह सामाजिक-सांस्कृतिक भ्रांतियों और पूर्वाग्रहों की एक जटिल श्रृंखला का परिणाम है अक्टूबर 2021 में फ्रांस के कैथोलिक चर्चों में बच्चों के बड़े पैमाने पर यौन शोषण का खुलासा हुआ। अनुमानित तौर पर बीते 70 वर्षों में 3.30 लाख बच्चे यौन शोषण के शिकार हुए। एक रिपोर्ट के अनुसार यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चों में 80 प्रतिशत लड़के हैं। उनमें से अधिकांश 10 से 13 साल के बीच के थे। वहीं भारत में 'स्टेट काउंसिल आफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग हरियाणा' ने 2017-18 के बीच हरियाणा के 33,460 बच्चों पर अध्ययन किया। उसमें सामने आया कि 55.1 प्रतिशत लड़के यौन शोषण का शिकार हुए जबकि लड़कियों का प्रतिशत 44.9 है। इन आंकड़ों को नकारती सामाजिक, वैधानिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं विश्व भर में इस सत्य की अवहेलना कर रही हैं। यह चिंता का विषय है। 'ए रिपोर्ट फ्राम इकोनामिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट' का 2019 में प्रकाशित दस्तावेज 'आउट आफ द शैडोः शाइनिंग लाइट आन द रिस्पांस टू चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज एंड एक्सप्लोइटेशन' बताता है कि दुनिया के 60 देशों में से 33 देशों में बाल दुष्कर्म कानूनों में लड़कों के लिए कानूनी सुरक्षा का अभाव है। अच्छी बात है कि भारत इस संदर्भ में संवेदनशील है और यहां लड़कियों की भांति लड़कों को भी यौन शोषण से कानूनी सुरक्षा मिली हुई है। 'एब्यूज्ड बायजः द नेगलेक्टेड विक्टिम्स आफ सेक्सुअल एब्यूज' के लेखक और मनोविज्ञानी मिक हंटर कहते हैं 'इस समस्या को नकारने का यह मतलब कतई नहीं है कि समस्या खत्म हो चुकी है।' इस किताब में उत्पीड़न के शिकार लोगों की चर्चा है। पीडि़तों पर पुरुषत्व का दबाव उन्हें मानसिक रूप से ऐसे अपराधों को सहन करने के लिए किस प्रकार विवश करता है, इसका उन्होंने गहन विश्लेषण किया है। समाज में पुरुष की व्याख्या अमूमन एक शोषक के रूप में की जाती है, परंतु लोग यह मानने को तैयार नहीं कि पुरुष शोषित भी होता है। ऐसे पूर्वाग्रह बच्चों का यौन शोषण करने वालों का अप्रत्यक्ष रूप से हौसला बढ़ाते हैं।

भारत को 1 लाख ड्रोन पायलट की है जरूरत 12वीं पास व्यक्ति को भी मिलेगा मौका ज्योतिरादित्य सिंधिया

उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया (ब्ष्ट्रीग्रेंद्व एम्र्ष्ट्री) ने मंगलवार को कहा कि भारत को आने वाले कुछ सालों में करीब एक लाख ड्रोन पायलटों (उेदहा झ्त्दे) की जरूरत होगी। मंगलवार को नीति आयोग की तरफ से ड्रोन स्टूडियो अनुभव से जुड़े कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सिंधिया ने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया का ड्रोन हब बन सकता है। उन्होंने कहा कि ड्रोन उद्योग में निवेश व रोजगार दोनों की भारी संभावनाएं हैं। ड्रोन निर्माण के लिए 5,000 करोड़ के निवेश की उम्मीद है जिससे 10,000 रोजगार मिल सकता है। वहीं ड्रोन से जुड़ी सेवाओं के लिए 30,000 करोड़ के उद्योग का सृजन हो सकता है। सिंधिया ने कहा कि कृषि से लेकर खनन, सुरक्षा व कई अन्य क्षेत्रों में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में ड्रोन के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए कई पहल की गई है। किसान ड्रोन पहल से खेत में कीटनाशक के छिड़काव से लेकर फसल के अनुमान लगाने तक में मदद मिलेगी। ड्रोन की मदद से भूमि का सही माप हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार के 12 मंत्रालय फिलहाल देश में ड्रोन सेवाओं की मांग बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ 12वीं पास व्यक्ति को ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके लिए कालेज की डिग्री की जरूरत नहीं है। सिंधिया ने कार्यक्रम में कहा, 'हम ड्रोन सेक्टर को तीन पहियों पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला पहिया है नीति, दूसरा प्रोत्साहन का माहौल तैयार करना और तीसरा है घरेलू मांग को बढ़ावा देना। आप देख रहे हैं कि हम कितनी तेजी से नीतियों पर अमल कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव यानी पीएलआइ के जरिये ड्रोन सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सिंधिया ने बताया कि आज 12वीं पास अभ्यर्थी को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया जा सकता है। किसी कालेज डिग्री की इसके लिए जरूरत नहीं है। केवल दो-तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद कोई अभ्यर्थी ड्रोन पायलट के रूप में काम शुरू कर सकता है और करीब तीस हजार रुपये महीने कमा सकता है। मंत्री ने कहा, 'पीएलआइ' (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू किया गया है।

बाजीगरी से पैदा होती आंकड़ों की महामारी चीनी दबाव में है विश्व स्वास्थ्य संगठन

महामारियां प्रायः अपने पीछे दुखद इतिहास ही छोड़ती हैं। बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है, बल्कि जो परिवार अपने प्रियजन खोते हैं और जिन देशों का विकास पूरी तरह पटरी से उतर जाता है-उन्हें संभालना भी बहुत बड़ी चुनौती साबित होती है। हालांकि महामारी से मिले सबक याद रखे जाएं और सेहत को प्राथमिकता में लिया जाए तो आने वाले संकटों से पार पाया जा सकता है। आमतौर पर सबक के ऐसे मामलों में आंकड़े काम आते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि महामारी कितना बड़ा प्रकोप साबित हुई। कितनी मौतें हुईं और कितनों की रक्षा दवाओं और टीकों ने की। कितने लोग सही समय पर इलाज मिलने से बच गए और कितनों को अस्पतालों में आक्सीजन तक मुहैया नहीं कराई जा सकी, लेकिन इधर जब कोरोना वायरस से पैदा महामारी कोविड-19 के कारण दुनिया में वर्ष 2020 और 2021 में हुई मौतों के आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) ने जारी किए तो कुछ शंकाएं और सवाल उठ खड़े हुए। हमारी सरकार ने इन पर यह कहते हुए एतराज प्रकट किया कि भारत के बारे में ये आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जा रहे हैं।

डब्लूयूएचओ का आकलन : कोविड-19 से बीते दो वर्षों में हुई मौतों के बारे में डब्लूयूएचओ ने हाल में जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक दुनिया में औसतन 1.5 करोड़ (1.33 से 1.66 करोड़ के बीच) लोगों की जान इस अवधि यानी एक जनवरी, 2020 से तीन दिसंबर, 2021 के दौरान गई है। इसमें महामारी और उसके कारण पैदा हुई स्थितियों के चलते हुई मौतों की संख्या शामिल है। जैसे आक्सीजन सिलेंडर नहीं मिलने के कारण मौत हो जाना। महामारी के असर जानने के उद्देश्य से किए गए इस आकलन में भारत के बारे में जो अनुमान पेश किए हैं, उसने बहुतों को हैरान कर दिया है। डब्लूयूएचओ का कहना है कि भारत में कोविड-19 के कारण 47 लाख लोगों की मौत हुई, जो भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़े (5 लाख 23 हजार 889 मौतों) से करीब 10 गुना ज्यादा है। डब्लूयूएचओ के मत में भारत में 33-65 लाख लोगों की मौत दर्ज ही नहीं हुई। इस तरह कोविड-19 से दुनिया में सबसे ज्यादा मौतें भारत में ही हुई मानी जा रही हैं। डब्लूयूएचओ ने भारत में मृतकों की जो संख्या बताई है वह संख्या दुनियाभर में हुई मौतों की एक तिहाई है। डब्लूयूएचओ का यह भी मानना है कि भारत ही नहीं, कई अन्य देशों ने भी कोविड-19 से हुई मौतों की कम गिनती की है। इस तरह दुनिया में सिर्फ 54 लाख मौतों को सरकारी दस्तावेजों में लिया गया है, ताकि कई देश कोविड-19 के प्रबंधन में रह गई खामियों-लापरवाहियों की जिम्मेदारी से बच सकें। इसमें संदेह नहीं कि भारत समेत कई अन्य विकासशील और गरीब देशों का स्वास्थ्य तंत्र कई वजहों से चर्चा में रहा है। अक्सर ये आरोप लगते रहे हैं कि अव्वल तो ये देश अपने नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं और अपने बजट का बहुत कम हिस्सा नागरिकों की सेहत पर खर्च करते हैं। इन देशों में गरीबों को नाममात्र की सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं हासिल हैं और मध्य वर्ग को भी इलाज के लिए निजी अस्पतालों में सैकड़ों गुना ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है। इन समस्याओं से शायद ही किसी को इन्कार हो, लेकिन कोविड-19 नामक महामारी का किस्सा इससे जरा अलग है। टीकों के विकास से पहले इस महामारी के खिलाफ प्रतिरक्षा का कोई ठोस उपाय हमारे पास नहीं था। मास्क, सैनिटाइजर और दो गज दूरी बरतने आदि सावधानियों के बावजूद कोई गारंटी नहीं थी कि इसकी चपेट में आया व्यक्ति जीवित बचेगा या नहीं। यही वजह है कि अमेरिका आदि जिन विकसित देशों में बेहद मजबूत स्वास्थ्य तंत्र है, वहां भी कोविड-19 ने अपना अत्यधिक प्रकोप दिखाया। अमेरिका हो, ब्राजील हो या भारत, कोविड-19 से हुई मौतों के आकलन पर डब्लूयूएचओ का यह कहना न्यायसंगत है कि महामारी में हुई मौतों की संख्या जानने से इसके असर को व्यापक तौर पर समझा जा सकता है। इससे सभी देशों में ज्यादा लचीला स्वास्थ्य तंत्र बनाने के लिए निवेश को बढ़ावा देने की समझ पैदा होगी। इसके अलावा महामारी जैसे संकटकालीन दौर में जरूरी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य सूचनाओं का मजबूत तंत्र बनाया जा सकेगा, लेकिन क्या इसके लिए जरूरी है कि मौतों के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाए।

आंकड़ों की कारस्तानी : असल में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से कोविड-मौतों की विशालकाय संख्या जारी होने के तुरंत बाद भारत सरकार ने जो सवाल उठाए हैं, उन्हें सही परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि डब्लूयूएचओ की ओर से ये आंकड़े आने से एक दिन पहले ही भारत ने अपनी तरफ से भी आंकड़े जारी किए थे, जिसमें कुल मिलाकर पांच लाख 23 हजार 889 मौतों को स्वीकार किया गया था। इसके बाद जिस तरह से डब्लूयूएचओ ने भारत में 10 गुना मौतों की बात कही, उसे लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलय की इस बात में वजन लगने लगा कि डब्लूयूएचओ का विश्लेषण और आंकड़े जुटाने का तरीका 'संदिग्ध' है। भारत सरकार ने आकलन के लिए इस्तेमाल में लाए गए डब्लूयूएचओ के माडल की वैधता पर प्रशनचिन्ह लगाया है। हमारी सरकार का कहना है कि डब्लूयूएचओ ने भारत की आपत्ति के बावजूद अतिरिक्त मृत्यु दर के आधार पर अपने अनुमान जारी किए, जो सही नहीं हैं। ध्यान रखें कि हमारे देश में कोविड-19 के कारण सबसे ज्यादा मौतें दूसरी लहर के दौरान हुई थीं, जब डेल्टा वैरिएंट के कारण बड़ी संख्या में लोग महामारी की चपेट में आ गए। डब्लूयूएचओ ने अपने इस आकलन के लिए उसी अवधि का इस्तेमाल किया है। अतिरिक्त मृत्यु माडल में यह देखा जाता है कि महामारी से पहले किसी क्षेत्र की मृत्यु दर क्या थी। यानी उस क्षेत्र में सामान्य रूप से कितने व्यक्तियों की मौत होती है और महामारी के बाद उस क्षेत्र में कितने लोगों की मौत हुई। इस आधार पर एक अनुमान लगाया जाता है, जो गणना का सही तरीका नहीं हो सकता। यह भी उल्लेखनीय है कि डब्लूयूएचओ के आंकड़े में उन लोगों को भी शामिल किया गया है, जिनकी मृत्यु की सीधा वजह कोविड नहीं थी। अधिक मौत के मामले में भारत के अलावा रूस, इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्राजील, मेक्सिको और पेरू आदि शामिल हैं। रूस के लिए मौतों की संख्या देश के सरकारी रिकार्ड में दर्ज मौतों से साढ़े तीन गुना है। हैरानी की बात है कि जिस देश पर कोरोना फैलाने के कथित आरोप हैं, उस देश यानी चीन को डब्लूयूएचओ की रिपोर्ट में कम मृत्यु दर वाले देशों में शामिल किया गया है। इसके लिए दावा किया जा रहा है कि चीन अभी भी 'जीरो कोविड' की नीति का पालन कर रहा है और वहां बड़े पैमाने पर टेस्टिंग और क्वारंटाइन जैसे उपाय आजमाए जा रहे हैं। डब्लूयूएचओ के आंकड़ों को संदिग्ध बताने वालों में भारत अकेला नहीं है। पड़ोसी पाकिस्तान ने भी इस पर सवाल खड़े किए हैं। पाकिस्तान के सरकारी दस्तावेजों में कोविड से हुई मौतों की संख्या सिर्फ 30,369 दर्ज है, लेकिन डब्लूयूएचओ के आंकड़ों में यह संख्या दो लाख 60 हजार बताई गई है, जो कि आठ गुना ज्यादा है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री अब्दुल कादिर पटेल के मुताबिक उनके देश ने यह आकलन स्वयंसेवकों द्वारा जांच-परखकर किया है, जिसमें किसी फेरबदल की संभावना कुछ सौ की संख्याओं तक हो सकती है, न कि लाखों का अंतर आ सकता है। यह कहकर कादिर पटेल ने डब्लूयूएचओ द्वारा आंकड़ा संग्रहण की तकनीक और साफ्टवेयर से उन आंकड़ों के विश्लेषण में भारी गलती होने का संकेत किया है। कुछ ऐसी ही गलती भारत के संदर्भ में भी हो सकती है। भारत में जन्म और मृत्यु का पंजीकरण रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया (आरजीआइ) द्वारा सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) में किया जाता है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत आरजीआइ बड़े पैमाने पर शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और विज्ञानियों की मदद से ये आंकड़े तैयार करता है। ऐसे में आरजीआइ द्वारा सालाना आधार पर जारी किए जाने वाले आंकड़े ज्यादा भरोसेमंद माने जा सकते हैं, लेकिन डब्लूयूएचओ ने गैर-आधिकारिक आंकड़ों को गणितीय माडल की मदद से प्रोसेस कर जो अनुमान निकाले हैं, उन्हें विश्वसनीय मानना टेढ़ी खीर है। यही नहीं, इन आंकड़ों के संदर्भ में भारत ने डब्लूयूएचओ से पूछा है कि उसने भारत के जिन 17 राज्यों के आंकड़े जिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और वेबसाइटों की मदद से जुटाए हैं, उनका आधार क्या है। डब्लूयूएचओ ने इस बाबत पूछे गए सवालों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। इससे इस संस्था द्वारा आंकड़ा संग्रहण की प्रक्रिया संदिग्ध हो जाती है और आंकड़े भरोसा करने लायक नहीं रह जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नए आंकड़ों पर विवाद के बीच उसके अनुमानों के गलत होने की संभावना भी उभर रही है। एक चर्चा यह उठी है कि जो डब्लूयूएचओ कोरोना वायरस की पैदावार और उसके प्रसार के लिए जिम्मेदार माने गए चीन के प्रति नरमी दर्शाता रहा है, उसने भारत आदि को आंकड़ों के जरिये घेरने का प्रयास कर चीनी मंसूबों को सफल बनाने का काम किया है। दावा किया जा रहा है कि जब नवंबर-दिसंबर 2019 में चीन के वुहान में कोरोना संक्रमण फैला हुआ था, तब विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बीमारी की पैदावार और प्रसार के बारे में बिल्कुल खामोश रहा। मौजूदा हालात देखें तो चीन कोविड-19 के संक्रमण और इस महामारी से हुई मौतों के मामले में कोई पारदर्शिता नहीं बरत रहा है, लेकिन तब भी विश्व स्वास्थ्य संगठन उसकी यह तारीफ करने से नहीं चूक रहा है कि वहां कोविड-19 से हुई मौतें काफी कम रही हैं। ऐसा अंदेशा भी है कि चूंकि बदले भू-राजनीतिक माहौल में चीन का मुकाबला करने के लिए भारत और अमेरिका एक तरफ हो गए हैं, इसलिए डब्लूयूएचओ चीन के इशारे पर भारत को घेरने का प्रयास कर रहा है। उसका उद्देश्य भारत के साथ अमेरिका को भी साध लेना है। डब्लूयूएचओ के आंकड़ों पर भरोसा नहीं होने की एक बड़ी वजह यह है कि इस वैश्विक संस्था ने शुरू से ही चीन के प्रति नरम रुख अख्तियार कर रखा है। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन को लगता है कि उसके कायी और उसके जारी किए आंकड़ों पर दुनिया का भरोसा कायम हो तो इसकी फिक्र खुद उसे करनी होगी। भारत आदि को घेरने के बजाय वह ऐसा चीन के प्रति अपने बेहद नरम रुख में तब्दीली लाकर कर सकता है।

भारतीय भाषाओं में शोध और अनुवाद के लिए मिलकर काम करेंगे आईआईएमसी और एमजीएएचवी

भारतीय भाषाओं में अनुवाद और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के बीच मंगलवार को सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर आईआईएमसी की ओर से महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे, आईआईएमसी के डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह एवं डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार भी उपस्थित थे। सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि आईआईएमसी भारतीय भाषाओं के विकास को लेकर सजग है। संस्थान जम्मू और अमरावती परिसर में इसी वर्ष हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। साथ ही इस वर्ष तीन परिसरों में डिजिटल पत्रकारिता पाठ्यक्रम की शुरुआत भी की जा रही है। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि आईआईएमसी ने भारतीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें तैयार करने हेतु एक विशेष कार्य योजना तैयार की है। इससे मीडिया में भारतीय भाषाओं के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप आईआईएमसी सनतकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने की तैयारी में है। भारतीय भाषाओं में अनुवाद की आवश्यकता पर जोर देते महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि हिंदी और भारतीय भाषाओं के विद्यार्थियों को उनकी अपनी भाषा में पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए दोनो संस्थान मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। इस सहमति ज्ञापन के माध्यम से दोनों संस्थान भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण मीडिया शिक्षण हेतु ठोस प्रयास करेंगे। प्रो. शुक्ल ने कहा कि इस सहमति ज्ञापन से दोनों संस्थानों के मीडिया पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के प्रयास भी किये जाएंगे। साथ ही संचार एवं मीडिया शोध से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी हम मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर आईआईएमसी के डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि भारतीय जन संचार संस्थान 1965 से लेकर आज तक गुणवत्तापूर्ण मीडिया शिक्षा प्रदान कर रहा है और आईआईएमसी से तैयार पत्रकार देशभर के विभिन्न मीडिया संस्थानों में अग्रणी भूमिकाओं में हैं। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय वर्ष 1997 से हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के संवर्धन हेतु काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में कुल आठ विद्यापीठ हैं, जहां सनतक और परासनतक का अध्ययन और शोध कार्य होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद उनके विश्वविद्यालय को भारतीय जन संचार संस्थान के अनुभवों का लाभ मिलेगा।

कांग्रेस में संसदीय बोर्ड की वापसी खोलेगी सामूहिक नेतृत्व का द्वार

कांग्रेस को राजनीतिक चुनौतियों के दौर से निकालने की कोशिश के तहत पार्टी की निणर्य प्रक्रिया के दायरे को बढ़ाने का उदयपुर चिंतन शिविर में अहम फैसला होने की संभावना है। इसके तहत पार्टी में संसदीय बोर्ड के गठन की प्रणाली को फिर से वापस लाने की लगभग पूरी तैयारी है। कांग्रेस में सामूहिक नेतृत्व की उठाई जा रही आवाजों के बीच संसदीय बोर्ड का गठन इस दिशा में पहला बड़ा अहम कदम होगा। संकेत इस बात के भी हैं कि वंशवादी राजनीति के आरोपों से पीछा छुड़ाने के लिए अपवादों को छोड़कर पार्टी 'एक परिवार, एक टिकट' का सैद्धांतिक फैसला भी ले सकती है। इसी तरह कांग्रेस के संकुचित हुए सामाजिक आधार को विस्तार देने के लिए ओबीसी, दलित, आदिवासी और महिलाओं को पार्टी संगठन के ढांचे में 50 प्रतिशत तक भागीदारी सुनिश्चित करने का निणर्य लिया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान कांग्रेस की बार-बार हो रही चुनावी हार के बाद पार्टी संगठन और नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सामूहिक नेतृत्व की मांग की जा रही है। मालूम हो कि कांग्रेस के असंतुष्ट खेमे जी-23 ने सबसे पहले अगस्त, 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे अपने चर्चित पत्र में संगठनात्मक बदलाव को लेकर जो प्रमुख मांग उठाई थी, उसमें संसदीय बोर्ड के गठन का प्रस्ताव भी शामिल था। इन नेताओं ने हाईकमान केंद्रित फैसलों को पार्टी की मौजूदा कमजोर राजनीतिक हालत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था कि संसदीय बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए ताकि बड़े राजनीतिक मुद्दों पर इसमें चर्चा कर फैसले लिए जा सकें। असंतुष्ट खेमे का हिस्सा नहीं होने के बावजूद पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम सरीखे कुछ नेताओं ने भी दिसंबर, 2020 में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में संसदीय बोर्ड के साथ स्वतंत्र केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का गठन किए जाने की बात उठाई थी। चिंतन बैठक के लिए कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में सुधारों को लेकर गठित उप-समूह ने संसदीय बोर्ड प्रणाली की वापसी समेत कई सुझावों का मसौदा तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार, उदयपुर चिंतन बैठक में संसदीय बोर्ड के गठन के इस प्रस्ताव पर मुहर लगाए जाने की पुख्ता संभावना है। कांग्रेस के बीते कुछ वर्षों के दौरान कमजोर चुनावी प्रदर्शन को देखते हुए संगठन में चुनावों के प्रबंधन की जिम्मेदारी के लिए अलग से एक महासचिव बनाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। वहीं, ओबीसी वर्ग के साथ दलितों-आदिवासियों, अल्पसंख्यकों के साथ महिलाओं को कम से कम पार्टी संगठन में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी देकर कांग्रेस के सामाजिक और सियासी आधार को फिर से दुरुस्त करने की कोशिश शुरू की जाएगी। देश की बड़ी युवा आबादी मौजूदा दौर में राजनीतिक दशा-दिशा तय करने में सबसे अहम भूमिका निभा रही है और कांग्रेस के लिए इस वर्ग को साधना सबसे अहम है। इसके मद्देनजर युवाओं को कांग्रेस के जरिये राजनीति में आने से लेकर वैचारिक आधार पर पार्टी से जुड़ने के लिए उदयपुर नव संकल्प प्रस्ताव में अहम एलान किया जाएगा। दिलचस्प यह है कि कांग्रेस की राजनीतिक वापसी के लिए चर्चित रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने जो प्लान दिया था, उसमें चुनावों की रणनीति व प्रबंधन के लिए विशेष जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव शामिल था। इसका संकेत साफ है कि उदयपुर में कांग्रेस संगठन की कमजोरियों को दुरुस्त करने के लिए पीके के कुछ प्रस्तावों को पार्टी अपने संगठनात्मक बदलावों का हिस्सा बना सकती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अब महज दो साल का वक्त रह गया है और पार्टी की बड़ी चुनौती को देखते हुए हर लोकसभा सीट के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त करने का प्रस्ताव है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा की चर्चित आइएएस अधिकारी रानी नागर ने फिर दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। हरियाणा की चर्चि आइएएस अधिकारी रानी नागर ने फिर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति को अपना त्यागपत्र भेजा है। रानी नागर हरियाणा कैडर की 2014 बैच की आइएएस अधिकारी हैं। इससे पहले 2020 में भी उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। हस्तलिखित इस्तीफे की प्रति हरियाणा के मुख्य सचिव और केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भी भेजी गई है। सात अगस्त से छुट्टी पर चल रहीं रानी नागर ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के नियमों का हवाला देते हुए तुरंत प्रभाव से इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह किया है।इससे पहले भी रानी नागर ने चार मई 2020 को गंभीर आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती रानी उनके समर्थन में उतर आए थे। इसके बाद प्रदेश सरकार ने उनका इस्तीफा नामंजूर कर दिया था। हालांकि उनके खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए प्रदेश सरकार उनका कैडर हरियाणा से बदलकर उत्तर प्रदेश करने की सिफारिश पहले ही कर चुकी है।आठ मई से अवकाश पर चल रहीं अतिरिक्त सचिव रानी नागर वर्तमान में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पैतृक निवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। विगत 23 अप्रैल को उन्होंने अपनी हत्या की आशंका जताते हुए फेसबुक अकांउट पर एक कारतूस और ताबीज की फोटो शेयर की थी।इससे पहले उन्होंने जून 2018 में पशुपालन विभाग में रहते वरिष्ठ आइएएस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। यह मामला मुख्यमंत्री के पास भी पहुंचा। रानी ने चंडीगढ़ की जिला अदालत में उक्त आइएएस व यूटी के कुछ पुलिस अफसरों पर मामला भी दर्ज कराया हुआ है।

प्रदेश सरकार ईको टूरिज्म को दे रही है बढ़ावा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उत्तर प्रदेश भारतीय संस्कृति को समेटे हुए पर्यटन का बहुत बड़ा केन्द्र है। यहां परम्परा से लेकर पौराणिकता की झलक देखने को मिलती है। उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार सम्भावनायें हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 30प्र0 पर्यटन नीति घोषित किया है। जिसमें प्रदेश में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत प्राकृतिक एवं वन क्षेत्र में मौजूद रमणीक स्थलों पर वन व पर्यटन विभाग मिलकर ग्रामीण पर्यटन की दृष्टि से संबंधित क्षेत्रों का विकास कर रहे हैं। ईको-टूरिज्म पॉलिसी के तहत सम्भावित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के सहयोग से बिना प्रकृति को नुकसान पहुंचाये पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की इस नीति से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, साथ ही स्थानीय स्तर पर उत्पादित विभिनन प्रकार के कुटीर उद्योगों की विभिनन वस्तुओं का विक्रय व राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनेगी। स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं के विक्रय से लोगों में आर्थिक समृद्धि आयेगी। सरकार की एक जनपद एक उत्पाद नीति के तहत जिला/क्षेत्र विशेष की उत्पादित वस्तुओं की पहचान भी बनेगी। प्रदेश सरकार आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश सरकार पर्यटन एवं ग्रामीण विकास थीम पर प्रकृति के नजदीक पर्यटकों को ला रही है। प्रदेश में वन, जंगल, वाटर फाल, पहाड़ी और हरे-भरे क्षेत्रों से भरपूर नदियां व प्राकृतिक क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आवागमन हेतु वन नीति के अनुसार मार्ग बनाने, ठहरने व अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। प्रदेश में कई पक्षी विहार हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। प्रदेश के कई जिलों में प्राकृतिक दृश्य हैं जो आकर्षण के केन्द्र हैं। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के लिए रामायण सर्किट, बौद्ध सर्किट, महाभारत सर्किट, शक्ति सर्किट आदि सहित कई धार्मिक सर्किट बनाते हुए पर्यटकों को एक सुविधायुक्त मार्ग प्रशस्त किया गया है। उसी तरह ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए संबंधित क्षेत्रों मे अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जनपद पीलीभीत स्थित पीलीभीत टाइगर रिजर्व में विकास कार्य करा रही है। इस कार्य में उस क्षेत्र के लोगों को पर्यटकों को बिना प्रकृति को नुकसान पहुंचाये भ्रमण कराने में सुविधा होगी। इससे क्षेत्रीय लोगों को रोजगार मिलेगा और उनका विकास होगा। इसी तरह प्रदेश के चंदौली के चन्द्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण्य में स्थित राजदरी एवं देवदरी जल प्रपात स्थल पर ईका-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विकास कार्य कराये जा रहे है। ईको-टूरिज्म की दृष्टि से चन्दौली, मिर्जापुर, सोनभद्र जनपदों के प्राकृतिक जलप्रपात, जीवाश्म पार्क, प्राकृतिक धरोहर से भरा पड़ा है। इन स्थलों पर प्रकृति प्रदत्त प्राकृतिक स्थल भी मौजूद हैं। जिनका व्यापक प्रचार-प्रसार करके ईको-पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की योजना है। इससे राजस्व अर्जन के साथ-साथ लोगों की आमदनी में वृद्धि होगी। प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व क्षेत्र, कतरनिया घाट वन्यजीव विहार, गोरखपुर क्षेत्र किशनपुर वन्यजीव विहार आदि को भी ईको-टूरिज्म विकसित करने की कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश सरकार की ईको-टूरिज्म नीति से निश्चय ही स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और वनीय औषधियों, कुटीर उद्योग धन्धों, परम्परागत कौशल को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश सरकार ने वाराणसी के प्रसिद्ध मंदिरों पर आधारित पावन पथ वेबसाइट का निर्माण किया है। प्रदेश सरकार की पर्यटन नीति के अंतर्गत पर्यटन इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है।

बिहार में औद्योगिक निवेश बढ़ाने को दिल्ली में इन्वेस्टर्स मीट आज, उद्योगों को ये बड़ी सहूलियतें दे रही नीतीश सरकार

पटना। बिहार में निवेशकों को आकर्षित व आमंत्रित करने के लिए दिल्ली में गुरुवार को बिहार इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया जा रहा है। दिल्ली के होटल ताज मान सिंह में होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। बिहार को उम्मीद है कि इस मीट के जरिए निवेशकों को आमंत्रित करने में मदद मिलेगी। राज्य में सात दिनों में उद्योग के प्रस्ताव को मंजूरी देने की व्यवस्था की गई है। बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि राज्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में औद्योगिक विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने बिहार के औद्योगिक विकास की सहूलियतों की जानकारी भी दी। आंकड़ों की बात करें तो एक साल के दौरान बिहार में 36253 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में पेप्सी बॉटलिंग व इथानोल प्लान्ट का उद्घाटन पिछले महीने ही किया। हाल ही में शुरू किया गया पूर्णिया का इथानोल प्लांन्ट ग्रीनफील्ड आधारित अपनी तरह का देश का पहला इथानोल प्लान्ट है। यह बिहार की इथानोल नीति 2021 के तहत स्थापित किया गया है। बेगूसराय में 550 करोड़ के निवेश वाले पेप्सी के बॉट्लिंग प्लांट के पहले चरण में 322 करोड़ के निवेश के साथ उत्पादन शुरू हो चुका है। बीते एक साल के दौरान बिहार में 87 छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित की गईं है। बिहार के उद्योग मंत्री

शाहनवाज हुसैन बताते हैं कि ऐसे औद्योगीकरण को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार बिहार इन्वेस्टर मीट का आयोजन कर रही है। इसमें बड़े निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। मंत्री शाहनवाज हुसैन बताते हैं कि बिहार देश का इथानोल हब बनने जा रहा है। सरकार को इथानोल यूनिट्स के 30382 करोड़ के प्रस्ताव मिल चुके हैं। पहले चरण में इनमें 17 कंपनियां काम शुरू कर चुकी हैं। पूर्णिया में 105 करोड़ की लागत वाले देश के पहले ग्रीनफील्ड ग्रेन आधारित इथानोल प्लान्ट का उद्घाटन बीते 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। आरा व गोपालगंज में भी इथानोल की यूनिटें आरंभ की जा रही हैं। शाहनवाज हुसैन ने बताया कि बिहार में उद्योगों की स्थापना के लिए कई कदम उठाए गए हैं। निवेश बढ़ाने के लिए साल 2016 की औद्योगिक निवेश नीति में साल 2020 में संशोधन किए गए। उद्योगों की स्थापना के लिए सात दिनों में एक ही जगह सभी जरूरी प्रस्ताव मंजूर किए जा रहे हैं। बीते साल लागू बिहार की इथानोल नीति व ऑक्सीजन नीतियों की सफलता के बाद अब कई अन्य औद्योगिक नीतियां भी लागू की जा रही हैं। बिहार में टेक्सटाइल क्षेत्र में रोजगार की बड़ी संभावनाएं देखते हुए सरकार टेक्सटाइल व लेदर नीति भी जल्द ही लाएगी। लॉजिस्टिक्स व निर्यात संबंधी नीतियां भी पाइपलाइन में हैं। शाहनवाज हुसैन ने बताया कि बिहार में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए हाल के दिनों में कई बड़े फैसले किए गए हैं। उद्योगों की स्थापना को आसान व सहज करने के लिए सिंगल विंडो नीति बनाकर सहूलियतें दी जा रहीं हैं। पटना में आइटी पार्क तो गया में विनिर्माण क्लस्टर बनाए गए हैं। मुजफ्फरपुर में फूड पार्क, बेगूसराय में बिजली क्लस्टर जैसे औद्योगिक पार्क बना वहां जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं हैं। इसके अलावा सभी नए-पुराने उद्योगों को भी सरकार सुविधाएं व सहारा देने की नीति पर चल रही है।

उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता कल गौतम बुद्ध नगर का करेंगे भ्रमण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा को मूर्त रूप प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के माननीय उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता कल जनपद गौतम बुद्ध नगर का भ्रमण करेंगे। अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष के द्वारा नोएडा के सर्किट हाउस में शाम 5:00 बजे जनपद गौतम बुद्ध नगर के प्रशासनिक एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक भी करेंगे। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

गोवंश आश्रय स्थलों पर चारा दान करने के लिए जिलाधिकारी ने लोगों से की अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में चलाई जा रही उत्तर प्रदेश शासन की सवीच्च प्राथमिकता की योजनाओं में से एक निराश्रित / बेसहारा गोवंश को संरक्षित करने के उद्देश्य से जनपद में गोवंश आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है। संचालित सभी गोवंश आश्रय स्थलों पर गोवंश को मानकों के अनुरूप भूसा एवं हरा चारा उपलब्ध हो सके। इस उद्देश्य से जिलाधिकारी सुहास एल0 वाई0 ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा को मूर्त रूप प्रदान करने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों, निवासियों, कृषको, पशुपालकों का आह्वान करते हुए कहा है कि जनपद में गोवंश आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें जनपद के निराश्रित, बेसहारा गोवंशों को संरक्षित कराया जा रहा है। समस्त गोवंश आश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंश के भरण पोषण के लिए पर्याप्त भूसा एवं हरे चारे की आवश्कता है। इस समय गेहूं की फसल का कटान किया जा रहा है तथा सभी कृषकों के पास पर्याप्त मात्रा में भूसा उपलब्ध होने की सम्भावना है। डीएम ने सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों, निवासियों, कृषको, पशुपालकों से अपील करते हुए कहा है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत संरक्षित बेसहारा, निराश्रित गोवशों के भरण पोषण के लिए उन्मुक्त भाव से आगे आकर जनपद में संचालित गो आश्रय स्थलों पर अधिक से अधिक मात्रा में भूसे का दान कर पुनीत कार्य में सहभागी बने, ताकि जनपद में संचालित सभी गौ आश्रय स्थलों पर गोवंश को मानकों के अनुरूप भूसा एवं हरा चारा आदि उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा है कि जिन दान दाताओं द्वारा भूसा दान दिया जायेगा, उनको मुख्य पशु चिकित्साधिकारी/जिला प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। अंत में जिला अधिकारी ने पुनः सभी से संचालित गो आश्रय स्थलों पर अधिक से अधिक भूसा दान करने का आह्वान किया है। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में प्रवेश परीक्षा के लिए जल्द करें रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। देश-दुनिया के नामी शिक्षण संस्थानों में शुमार दिल्ली विश्वविद्यालय समेत अन्य में दाखिला लेना चाहते हैं तो आपके लिए यह बेहद जरूरी खबर है। इस बार सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। इसे कामन प्रवेश परीक्षा नाम दिया गया है। अब 12वीं की परीक्षा में आए अंक के आधार पर देश के किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिला नहीं दिया जाएगा, इसके लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण तेजी से चल रहा है। अगर आप भी 12वीं पास हैं या फिर 12वीं की परीक्षा दे रहे हैं तो यह जान लें कि कामन प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीकरण करना होगा और इसकी अंतिम तारीख 22 मई है। ऐसे में अगर आप सीयूईटी में आवेदन या पंजीकरण नहीं कर पाए है तो जल्द कर दें। वरना केंद्रीय विद्यालय में दाखिला लेकर पढ़ाई का सपना अधूरा ही रह जाएगा। वहीं, समाचार एजेंसी पीटीआई ने यूजीसी के अध्यक्ष एम जगदीश कुमार के हवाले से बताया है कि सनतक पूर्व पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) केलिए 9.8 लाख से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। सीयूईटी में रजिस्ट्रेशन के लिए अंतिम तिथि 22 मई है। बताया जा रहा है कि सीयूईटी में रजिस्ट्रेशन अंतिम तारीख एक बढ़ाई जा चुकी है, ऐसे में अब इसके बढ़ाए जाने के आसार बेहद कम है। बता दें कि सीयूईटी प्रवेश परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किया जाएगा, लेकिन इसकी तारीख का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है।

31 मई तक ई0के0वाई0सी0 न कराने वाले कृषकों को नही होगा किश्त का भुगतान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिलाधिकारी सुहास एल0वाई0 के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे जनपद गौतमबुद्धनगर के 56,178 किसानों में से मात्र 18,297 किसानों ने ही अभी तक ई0के0वाई0सी0 करायी है। अतः ई0के0वाई0सी0 न कराने वाले कृषक आगामी 31 मई तक अपनी ई0के0वाई0सी0 अनिवार्य रूप से करा लें। अन्यथा 31 मई तक ई0के0वाई0सी0 न कराने वाले किसानों की सम्मान निधि की किश्त रोक दी जायेगी। उन्होंने ऑनलाईन ई0के0वाई0सी0 करने के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों को ई0के0वाई0सी0 करने के लिए प्रधानमंत्री किसान निधि पोर्टल का उपयोग करना होगा। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर ई0के0वाई0सी0 विकल्प चुनें, जिसके उपरान्त आधार कार्ड नं0 अंकित करें। आधार नं0 अंकित करते ही आपके रजिस्टर्ड मोबाईल नं0 पर एक चार अकों का ओ0टी0पी0 प्राप्त होगा, उस ओ0टी0पी0 को पोर्टल पर दिये गये स्थान पर अंकित करें पुनः एक और 6 अंकों का ओ0टी0पी0 रजिस्टर्ड मो0 न0 पर प्राप्त होगा, जिसे अंकित कर सबमिट करें। सबमिट करते ही ई0के0वाई0सी0 सफल होने का मैसेज पोर्टल पर प्रदर्शित होने लगेगा और लाभार्थी की ई0के0वाई0सी0 की प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी। उन्होंने किसान सम्मान निधि योजना का लाभ उठा रहे कृषकों का आह्वान करते हुये कहा कि जनपद गौतमबुद्धनगर के ऐसे किसान भाई जो किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वह स्वयं/कृषि विभाग के कर्मचारी या जन सुविधा केन्द्र पर जाकर 31 मई से पूर्व ई0के0वाई0सी0 अवश्य कर लें, ताकि कृषकों को प्रदेश सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना का लाभ ससमय प्राप्त हो सके।

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित्त पोषित अच्छे एवं उत्कृष्ट उत्पाद बिक्री करने वाली इकाइयों के उत्साहवर्धन के उद्देश्य से इकाइयों को किया जाएगा पुरस्कृत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अंबुज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित्त पोषित अच्छे एवं उत्कृष्ट उत्पाद बिक्री करने वाली इकाइयों के उत्साहवर्धन के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2022-23 के तहत मंडल स्तर से प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय तथा राज्य स्तर से भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप निर्धारित धनराशि के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। अतः जनपद की समस्त इकाइयों द्वारा जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से आवेदन पत्र निशुल्क प्राप्त कर उत्पादित माल, बिक्री एवं रोजगार से संबंधित जानकारी (इकाइयों के फोटोग्राफ सहित) भरकर जिला ग्रामोद्योग कार्यालय विकास भवन कक्ष संख्या 206-207 सूरजपुर ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर में आगामी 27 मई तक जमा करा सकते हैं।

पाक खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी के आरोप में वायु सेना का जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी करने के आरोप में भारतीय वायु सेना के एक जवान को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान देवेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपित भारतीय सेना से जुड़ी कई जानकारियां पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को पहुंचा रहा था। इसके बदले उसे हवाला के जरिये रकम मिल रही थी। के मुताबिक, सुब्रतो पार्क स्थित वायु सेना के रिकार्ड कार्यालय में सार्जंट देवेंद्र शर्मा को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हनी ट्रैप में फंसाकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ देवेंद्र शर्मा से वायु सेना से संबंधित रक्षा प्रतिष्ठानों और अधिकारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी व दस्तावेज लेती थी।

जासूसी करने के एवज में देवेंद्र शर्मा को रुपये भी दिए जाते थे। यह भी पता चता है कि आरोपित भारतीय वायु सेना के जवान में हनीट्रैप के जरिये जाल में फंसाया गया और फिर सेना से जुड़ी जानकारी हासिल की गई। दिल्ली पुलिस से सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी के शक में काफी समय से देवेंद्र शर्मा पर नजर रखी जा रही थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अब जाकर जासूसी के आरोप में भारतीय वायुसेना के जवान देवेंद्र शर्मा को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले में पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ होने का अंदेशा है।

आबकारी विभाग द्वारा बुढार एवं जयसिंहनगर अवैध शराब ठिकानों पर संयुक्त दबिश देकर दर्ज किए प्रकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कश्यप के निर्देशन में शहडोल जिले के वृत्त जयसिंहनगर में अवैध शराब ठिकानों पर विशेष अभियान के तहत दबिश दी गई जिसमें ग्राम बिजहा, बसनगरी, सेमरा व देवरा से 27 पाव गोवा व्हिस्की, 16 पाव देशी मदिरा प्लेन, 06 बोतल बियर व 30 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर 05 प्रकरण कायम किए गए तथा आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क/च) व 36(ं) के तहत कार्यवाही की गई। जप्त शुदा शराब एवं महुआ लाहन एवं शराब की अनुमानित कीमत 6660 रूपए है। कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक किरण पवार के नेतृत्व में की गई। जिसमें सहयोगी आबकारी मुख्य आरक्षक श्री प्रकाश मरावी एवं आबकारी आरक्षक सहेज सिंह व शोभारानी अजीमेरे साथ रहे। इसी प्रकार जिले के वृत्त बुढार में अवैध शराब ठिकानों पर विशेष अभियान के तहत दबिश दी गई, जिसमें बुढार के हाथी डोल में विजय केवट की दुकान से 16 पाव प्लेन मदिरा, सरई कापा में बबलू सोनी के मकान से 12 पाव प्लेन मदिरा, सेमरा में अजय नारायणी के दुकान से 8 पाव अंग्रेज़ी शराब एवम 3 बोतल बीयर एवम् लालपुर में रोहित कोरी की दुकान से 8 पाव अंग्रेजी शराब एवं 4 बोतल बीयर जप्त कर प्रकरण कायम किया गया। आरोपियों के विरुद्धमध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत कार्यवाही की गई। देशी विदेशी दुकानों का निरीक्षण किया गया। उपभोक्ताओं को मदिरा विक्रय के बिल दिए जा रहे हैं। कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक सुनील चंदेल नेतृत्व में की गई। जिसमें सहयोगी आबकारी आरक्षक राजेंद्र सिंह साथ में रहे।

जिला आबकारी अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में सर्विस प्रोवाइडर कंपनी के इंजीनियर द्वारा समस्त अनुज्ञापीओं को दिया गया पी0ओ0एस0 मशीन के संबंध में प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिला आबकारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अपर मुख्य सचिव आबकारी एवं आबकारी आयुक्त, उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर के निर्देशों के क्रम में इंटेग्रेट एक्साइज सप्लाई चैन मैनेजमेंट सिस्टम के अन्तर्गत आबकारी विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा आज देशी शराब, विदेशी मंदिरा, बीयर एवं मॉडलशॉप की समस्त फुटकर दुकानों पर प्वाईन्ट ऑफ सेल (पी0ओ0एस0) मशीन का वितरण किया गया। जिसके अन्तर्गत कलेक्ट्रेट के सभागार कक्ष, सूरजपुर में सर्विस प्रोवाइडर कम्पनी के इंजीनियरस द्वारा पावर प्वाईन्ट प्रेजेंटेशन द्वारा प्वाईन्ट ऑफ सेल (पी0ओ0एस0) मशीन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में संचालित समस्त प्रकार की फुटकर दुकानों पर अब प्वाईन्ट ऑफ सेल (पी0ओ0एस0) मशीन के द्वारा बिक्री की जायेगी, जिससे जनपद गौतमबुद्धनगर में वैध शराब की बिक्री पूर्णतः सुनिश्चित की जायेगी। प्वाईन्ट ऑफ सेल (पी0ओ0एस0) मशीन सभी अनुज्ञापियों को आबकारी विभाग द्वारा निःशुल्क प्रदान किया गया। इस दौरान जिला आबकारी अधिकारी, गौतमबुद्धनगर समस्त क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक एवं जनपद गौतमबुद्धनगर के समस्त अनुज्ञापी उपस्थित रहे।

इस प्लेटफॉर्म पर जल्द रिलीज हो रही है आरआरआर

नई दिल्ली। राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आरआरआर' जल्द ही ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। जो किसी भी वजह से इसे बड़े पर्दे पर नहीं देख पाए, या जो फिल्म में राम चरण और जूनियर एनटीआर की जोड़ी का करिश्मा फिर से देखना चाहते हैं उनके लिए एक सुनहरा अवसर आ रहा है। बता दें कि इस तेलुगु पीरियड ड्रामा 'आरआरआर' ने इस साल की शुरुआत में बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए, जब जूनियर एनटीआर और राम चरण स्टारर, कोविड माहामारी के कारण कई बार टलने के बाद 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। आरआरआर फिलहाल दुनिया भर में लगभग 1,127 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ चौथी सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है। तो वही भारत में, ये आमिर खान की दंगल को हराकर तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई और इसका नेट कलेक्शन 920 करोड़ रुपए है।

हालांकि, फिल्म का हिन्दी संस्करण 300 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार नहीं कर पाई और थोड़ा पीछे रह गई और इसने 270 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। एचटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, आरआरआर डिजिटल रूप सेंॅा 5 पर रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 20 मई को अपना ध्ऊऊ डेब्यू करेगी। का प्रीमियर सभी दक्षिण भाषाओं में होगा, वही का हिंदी संस्करण नेटफ्लिक्स पर उसी दिन रिलीज होने की उम्मीद है। दरअसल, 20 मई को जूनियर एनटीआर का बर्थडे भी है, तो जाहिर है कि राजामौली उन्हें इस तरह से बर्थडे का तोहफा देना चाहते हैं। यह बाहुबल द बिगिनिंग और 2017 के सीक्वल बाहुबलीः द कन्क्लूजन के बाद राजामौली की लगातार तीसरी ब्लॉकबस्टर है, जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक 20वीं सदी की शुरुआत में दो स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित एक कहानी है। फिल्म में राम चरण और एन टी रामाराव जूनियर ने अल्लूरी सीताराम राजू और कुमराम भीम का किरदार निभाया है।

इस एक्टर ने उठाई कंगना रनोट के लिए अच्छा लड़का खोजने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कंगना रनोट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'धाकड़' को लेकर खूब चर्चा में हैं। स्पाई थ्रिलर इस फिल्म में कंगना के अलग-अलग रूप देखने को मिलेंगे। कंगना फिल्म में दमदार एक्शन करती हुई नजर आएंगी। फिल्म का ट्रेलर जबसे रिलीज हुआ है तभी से ऑडियंस को इस फिल्म का बेसब्री

से इंतजार है। इन दिनों एक्ट्रेस जोरो-शोरो से फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं, लेकिन इसी बीच उनके को-स्टार अर्जुन रामपाल अब कंगना रनोट के लिए एक अच्छे लड़के की खोज में लग गए हैं। बॉलीवुड में जिस तरह से इन दिनों शादी का सीजन चला है, उसे देखकर यही लगता है कि कंगना के को-स्टार अर्जुन रामपाल ने भी अभिनेत्री के लिए एक काबिल लड़का खोजने की जिम्मेदारी उठा ली है। हाल ही में धाकड़ के प्रमोशन के दौरान आरजे सिद्धार्थ कनन को दिए गए इंटरव्यू में अर्जुन रामपाल ने कहा, 'कंगना रनोट काफी अच्छी एक्ट्रेस हैं। भगवान से डरती हैं और योग भी करती हैं। जितना मैं कंगना रनोट को जानता हूं, मुझे नहीं लगता कोई जानता है। मैं तो ये भी बता दूंगा की कौन कंगना रनोट के काबिल हैं'। कंगना रनोट ने भी अर्जुन रामपाल की मजाकिया अंदाज में पोल-खोल करते हुए कहा, 'सोसायटी अर्जुन के बयानों पर ध्यान नहीं देती। अर्जुन भी काफी विवादित बयान देते हैं। कंगना ने एक किस्सा शेयर करते हुए कहा कि अर्जुन रामपाल ने एक लीडिंग फिल्म मेकर को नोज ट्रिमर दिया था, क्योंकि उन्हें उनके नोज हेयर अच्छे नहीं लग रहे थे। मुझे अर्जुन कॉन्ट्रोवशिऱ्यल लगते हैं क्योंकि वह जो सोचते हैं वह कहते हैं, लेकिन फिर भी कोई बुरा नहीं छापता, जिसका तुरंत जवाब देते हुए अर्जुन ने कहा, 'क्योंकि मैं प्यार से बोलता हूं और कंगना काफी धाकड़ स्टाइल में बोलती हैं'। कंगना रनोट की फिल्म 'धाकड़' 20 मई 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना और अर्जुन के अलावा इस फिल्म में दिव्या दत्ता, द फैमिली मैन के शारिब हाशमी और सास्वत चटर्जी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। रितेश शाह ने जहां इस फिल्म को लिखा है, तो वही रजनीश/रेजी घाई ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। हाल ही में कंगना रनोट ने अपने डेब्यू ओटीटी शो 'लॉकअप' का रैपअप किया। इस रिएलिटी शो को लोगों का खूब प्यार मिला।

'बाप बाप होता है' सुनील शेट्टी ने अपने स्टाइल में दिया महेश बाबू को जवाब

नई दिल्ली। महेश बाबू के बयान के बाद साउथ सिनेमा और बॉलीवुड की खाई पटने का नाम नहीं ले रही। इस विवाद में एक-एक करके और भी लोग कूदते जा रहे हैं। हाल ही में हिन्दी सिनेमा बनाम साउथ सिनेमा की इस लड़ाई में एंट्री करने वालों में हमेशा मुंबईकर रहूंगा। तथ्य ये है कि ऑडियंस यू डिसीजन ले रही है की कौन सी फिल्म उन्हे देखनी चाहिए, कौन सी उन्हे देखनी नहीं चाहिए।' सुनील शेट्टी ने अपने बयान में आगे ये भी कहा कि हम शायद दर्शकों को भूलते जा रहे हैं। हम को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि, '70 प्रतिशत भारतीय दर्शक हैं जो कि जो सीटी बजाते हैं। हीरो का शॉट होता है, हाई स्पीड वॉक होता है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा कंटेंट है जिसे काम करने की जरूरत है और बॉलीवुड हमेशा

में बॉलीवुड के माचो मैन सुनील शेट्टी का नाम भी जुड़ गया है। सुनील शेट्टी ने इस पूरी कॉन्ट्रोवर्सी पर अपना पक्ष रखा है। सुनील शेट्टी ने हाल ही में एक इवेंट में बताया कि बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच चल रहा ये विवाद सोशल मीडिया की वजह से हो रहा है। यहीं से इसे क्रिएट किया गया है। अभिनेता ने कहा कि हम भारतीय हैं और फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखा जाए तो वहां भाषा बीच में आती ही नहीं है। वहां पर कंटेंट जरूरी है। मैं भी साउथ से आता हूं लेकिन मेरी कर्मभूमि मुंबई है तो उन तक चीजों को ठीक से पहुंचा नहीं पा रहे हैं। अब तक सिनेमा में कई लोगों ने मुझसे कहा है कि सिनेमा हो या ओटीटी, बाप, बाप रहेगा बाकी के फैमिली मेंबर्स, फैमिली मेंबर्स रहेंगे। अपनी बात बॉलीवुड ही रहेगा। इंडिया को पहचानेंगे तो बॉलीवुड के हीरो को तो पहचानना ही पड़ेगा। ये एक ऐसी यात्रा है, जहां हमें दोबारा सोचना है और यहां अच्छा कंटेंट देना है।'

भोजपुरी एक्टर यश ने शादी के बाद शेयर कर दिया हनीमून का ऐसा वीडियो, देखकर गुस्से से लाल हुई नई नवेली दुल्हनिया

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेम के एक्टर यश ने हाल ने हाल ही में भोजपुरी एक्ट्रेस निधि झा संग सात फेरे लिए हैं। दोनों की शादी काफी चर्चा में रही है। निधि और यश की शादी की कई तस्वीरें सोशल हैरान है। न्यूली वेड कपल के ये हनीमून वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहे हैं। वहीं इस वीडियो को शेयर करने पर उनकी पतनी निधि ने नाराजगी जाहिर की है। यहां देखें वीडियो भोजपुरी एक्टर गुस्से वाले इमोजी कमेंट सेक्शन में बनाए हैं। यही नहीं इस वीडियो के अलावा ?निधि झा और यश ने अपने हनीमून की कई और तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। उनके हर पोस्ट को फैंस काफी पसंद करते

मीडिया पर जमकर वायरल हुई हैं। वहीं दोनों को को सोशल मीडिया पर फैंस और स्टार्स ने जमकर बधाई दी थी। शादी के बाद अब निधि और यश अपना हनीमून एंजॉय कर रहे हैं। ऐसे में दोनों ही लगातार अपनी खूबसूरत और रोमांटिक तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इसी बीच यश ने पतनी के साथ हनीमून का एक एसो वीडियो शेयर कर दिया है जिसे देखकर हर कोई यश कुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पतनी संग अपने हनीमून का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि यश एक फनी रील बताने है जो की उनकी पतनी पर होता है। वह कहते हैं, 'अकेला थोड़ी हूं मुश्किले हैं मेरे साथ'। इसके बाद यश अपना कैमरे पतनी निधि की तरफ मोड़ते हैं। हलांकि उस वक्त उनकी पतनी कुछ समझ नहीं पाती हैं। इसी वीडियो पर निधि ने हैं। आपको बता दें कि निधि और यश इन दिनों मालदीप में हनीमून मना रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि निधि से यश की ये दूसरी शादी है। निधि से पहले उन्होंने भोजपुरी एक्ट्रेस अंजना सिंह से पहली शादी की थी। अंजना से यश को एक बेटी है। वहीं अंजना से तलाक के बाद यश ने करीब तीन सालों तक एक्ट्रेस निधि झा को डेट किया था और कुछ महीनों पहले ही उन्होंने सगाई की थी।

फटी पैंट और ट्यूब टॉप में पोज दे रहीं थीं उर्फी जावेद बहन ने कान में कहा कुछ ऐसा

नई दिल्ली। उर्फी जावदे के जलवे हैं कि कम होने को नाम ही नहीं ले रहे हैं। कभी समंदर किनारे, तो कभी बीच सड़क और कभी एयरपोर्ट पर उर्फी हर दिन अपने हॉट पोज देती दिखती हैं। हाल ही में जहां उर्फी ने समंदर किनारे पाए जाने वाले जानवरों की शैल से बने ब्रालेट को पहन हर किसी को चौंका दिया था। वहीं अब एक बार फिर से वह अपना नया स्टाइल लेकर सामने आई हैं। इस वीडियो में उर्फी के साथ उनकी छोटी बहन अस्फी जावेद भी नजर आ रही हैं। इस दौरान उर्फी के कानों में अस्फी ने ऐसी बात कह दी जिसे सुनकर एक्ट्रेस हैरान रह गईं। यहां देखें वीडिय उर्फी जावेद का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी बहन के साथ स्पॉट हुई हैं।

दरअसल, हाल ही में उर्फी अपनी बहन के साथ मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुई हैं। हलांकि उर्फी कम ही मौकों पर अपनी बहन के साथ पब्लिक प्लेस पर नजर आती हैं। उर्फी की तरह ही उनकी बहन अस्फी भी काफी स्टाइलिश हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक बार? फिर से उर्फी अपने ड्रेसिंग सेंस से बवाल मचाती दिख रही हैं। इस दौरान उर्फी ने जींस को फाड़कर अजीब पैंट बनाई हुई है। वहीं उर्फी ने एक छोटे से कपड़े को लपेट कर उसका ट्यूब टॉप बनाया है। इसके साथ ही उर्फी ने बालों में दो चेटियां बनाई है। वहीं उनकी बहन अस्फी ने पेन्सिल स्कर्ट के साथ क्रॉप टॉप पहने नजर आ रही हैं।वीडियो में आप देख सकते हैं कि जैसे ही उर्फी जावेद पैपराजी को देखते ही पोज देने लगीं। उसी वक्त उनकी बहन अस्फी की नजर उर्फी पर पड़ी और वो उनसे कान में कुछ कहने लगीं। इसके तुरंत बाद ही उर्फी पीछे की तरफ थोड़ा सा मुड़कर अपने दांतों को साफा करने लगते हैं। इस के बाद उर्फी से पैपराजी पूछते हैं कि उन्होंने कानों में क्या कहा। उर्फी ने जवाब में कहा कि अस्फी ने कहा कि दांतों में लिपस्टिक लगी है। इसके बाद उर्फी कहती हैं कि यही तो बहनें करती हैं। उर्फी का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है

बेटे समर की नई गर्लफ्रेंड को देखा आपने हॉटनेस में काव्या को देती है टक्कर अब तो जल जाएगी नंदिनी

नई दिल्ली। सीरियल अनुपमा में इन दिनों काफी दिलचस्प ट्रैक चल रहा है। एक तरफ अनुपमा और उनके कॉलेज टाइम दोस्त अनुज कपाडि.या के शादी की तैयारियां जोरों पर हैं, तो दूसरी तरफ कहानी में ट्विस्ट लाते हुए बापूजी को अचानक हार्ट अटैक आ जाएगा। दर्शक इस हाई वोल्टेज ड्रामा से खासे नाराज नजर आ रहे हैं। एक तरफ सोशल मीडिया है। जल्द ही अनुपमा में एक लड़की की एंट्री होगी। इस लड़की के आने से समर की जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी। इस लड़की का नाम अल्मा हुसैन है जो कि असल जिंदगी में नंदिनी से भी ज्यादा ग्लैमरस है। अल्मा हुसैन की जल्द ही सीरियल अनुपमा में धमाकेदार एंट्री होने वाली है। इतने महीनों से शो में समर को अकेला देख रहे फैंस का दिल इस खबर से

पर शो को बंद करने की गुजारिश की जा रही है तो वही दूसरी तरफ हम कुछ ऐसा बताने वाले हैं जिससे आपका दिल खुश हो जाएगा। दरअसल, अनुपमा के बेटे समर की जिंदगी में बहुत जल्द एक नई लड़की आने वाली है। पिछले काफी से समर सिंगल है, नंदिनी यानी अनघा भोसले उन्हें छोड़कर विदेश चली गई हैं। अनघा भोसले के जाने के बाद सीरियल अनुपमा में समर अकेला पड़ गया था। इसी बीच खबर आ रही है कि समर को एक नई गर्लफ्रेंड मिलने वाली खुश हो गया। बता दें कि अब तक भी मेकर्स ने इस खबर को लेकर कोई अधिकारिक घोषणा नहीं की है, पर उम्मीद है कि जल्द ही ये सिक्वेंस सामने आने वाला है। अल्मा हुसैन की तस्वीरें लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अल्मा हुसैन का बोल्ड अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है। लोग इनकी तुलना अनघा से कह रहे हैं, और उम्मीद कर रहे हैं कि अल्मा के आने से शो में और ज्यादा ट्विस्ट आएगा।

महेश बाबू के बयान पर आया राम गोपाल वर्मा का अजीब रिएक्शन

नई दिल्ली। साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों लगातार अपने बयान को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। बीते कुछ दिनों से बॉलीवुड यानी हिंदी सिनेमा और साउथ सिनेमा को लेकर तगड़ी बहस छिड़ी हुई है। इस बहस में साउथ लेकर बॉलीवुड सिनेमा के तमाम दिग्गज अपने अलग-अलग रिएक्शन देते नजर आ रहे हैं। तो वहीं ज्यादातर सेलेब्स इस मुद्दे में कूदने से बच रहे हैं। हाल ही में जहां नवाजुद्दीन सिद्दीकी, मुकेश भट्ट, सुनील शेट्टी से लेकर अक्षय कुमार तक, कई सेलेब्स इस मुद्दे पर अपनी बात रख चुके हैं तो वहीं इस लिस्ट में एक और नाम शामिल हो गया है। इस बीच अब महेश बाबू के 'बॉलीवुड उन्हें अफोर्ड नहीं कर सकता' वाले बयान पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा का रिएक्शन भी सामने आया है। निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान महेश बाबू के 'बॉलीवुड उन्हे अफोर्ड नहीं कर सकता' वाले बयान पर रिएक्ट किया है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा, 'एक अभिनेता के रूप में यह उनकी पसंद है। लेकिन मैं ईमानदारी से समझ नहीं पाया कि 'बॉलीवुड मुझे अफोर्ड नहीं कर सकता है' से उनका क्या मतलब है जो उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं अभी भी यह नहीं समझ पा रहा हूं कि उनका इससे क्या मतलब था। अगर आप हालिया साउथ की फिल्में देखें तो उन्हें हिंदी में डब करके रिलीज किया जाता है और उससे पैसे कमाए जाते हैं।राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा, 'देखिए सबसे पहली बात तो ये है कि बॉलीवुड कोई कंपनी नहीं है।

मनोज बाजपेयी ने 'आरआरआर' और 'केजीएफ चैप्टर 2' पर साधा निशाना

नई दिल्ली। आरआरआर और केजीएफ चैप्टर 2 जैसी पैन इंडिया फिल्मों के साथ, भारतीय बॉक्स-ऑफिस ने एक महीने में 2000 करोड़ से अधिक की कमाई की। हालांकि, दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी को लगता है कि इस तरह की ब्लॉकबस्टर फिल्मों ने बॉक्स-ऑफिस की डायनामिक्स को और खराब कर दिया है। ऐसी फिल्मों की वजह से कंटेंट से ज्यादा लोग बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर ध्यान दे रहे हैं पूजा तलवार से बात करते हुए, गैंग्स ऑफ वासेपुर अभिनेता ने कहा कि आजकल लोग फिल्म व्यवसाय, सामग्री और प्रदर्शन पर चर्चा करते हैं। 'कोई बात ही नहीं कर रहा है की फिल्म कैसी है? कोई बात करने को राजी नहीं है की परफॉर्मेंस कैसी है। बाकी विभागों का क्या योगदान है' उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'क्या है ना हम सब 1000 करोड़ और 300 करोड़

और 400 करोड़ के चक्कर में फंसे हुए हैं। ये झगड़ा कई सालों से चल रहा है... और मुझे लगता है कि ये खत्म होने वाला है नहीं मनोज कुछ व्यावसायिक ब्लॉकबस्टर जैसे शूटआउट एट वडाला, और सत्यमेव जयते का हिस्सा रहे हैं और क्रिटिक भी उनके अभिनय के कायल रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साझा किया कि आलोचक निर्माताओं पर इन पैन इंडिया फिल्मों की तरह बनने के लिए दबाव डाल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'अब आलोचक कह रहे हैं कि 'आप उनकी तरह फिल्में क्यों नहीं बनाते आपकी फिल्म क्यों नहीं चल रही है?' यह मुख्यधारा के लोगों से पूछा जा रहा है।मनोज बाजपेयी ने जोर देकर कहा कि वह कभी भी ऐसी दुनिया का हिस्सा नहीं रहे हैं, और कुछ फिल्में करेंगे, लेकिन फिल्मों की अपनी पसंद को बरकरार रखेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि अब इन 1000 करोड़ की फिल्मों के साथ, सिनेमाघरों में कंटेंट वाली फिल्मों को रिलीज करना ज्यादा मुश्किल होगा। 'हमारी फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करना पहले कठिन था। अब 1000 करोड़ रुपए की फिल्मों के कारण यह कठिन हो गया है।' इससे पहले, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इन फिल्मों के संग्रह पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया था

कियारा आडवाणी को देख कपिल शर्मा पर चढ़ा इश्क का बुखार

नई दिल्ली। द कपिल शर्मा शो में फिल्म भूल भुलैया 2 का प्रमोशन करने कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन टीम समेत पहुंचे थेत् इस अवसर पर कपिल शर्मा कियारा आडवाणी के साथ फ्लर्ट करते नजर आएत् द कपिल शर्मा शो में कपिल ने कियारा आडवाणी के साथ मस्ती करते हुए पूछा कि लोग उन्हें देखकर इस फिल्म के बाद डर जाएंगे जबकि उनका मानना है कि ऐसी भूतनी को देखकर उन्हें प्यार हो जाएगा गौरतलब है कि भूल भुलैया टू 20 मई को रिलीज होने वाली है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करें।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।